आवाज-ए-लखनऊ

AVL NEWS

3 अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं होगा, दोषियों पर निरंतर.....

5 बेटी विलन संग पत्नी और न्यूबॉर्न ट्विन्स.....

8 ३९ वर्षीय महिला फर्नांडीज राष्ट्रपति की....

वर्ष : 08 | अंक : 32 | लखनऊ, मंगलवार, 10 मार्च, 2026 | (हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र) | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपया

महिला दिवस पर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को सीएम योगी की बड़ी सौगात

38.49 करोड़ रुपये डीबीटी से किए ट्रांसफर

संवाददाता

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को कई महत्वपूर्ण सौगातें दीं। सरकार ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को सशक्त और सुरक्षित बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से कुल 38.49 करोड़ रुपये की धनराशि सीधे उनके खातों में स्थानांतरित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय बढ़ाने की दिशा में भी सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार अपनी योजनाओं और नीतियों के माध्यम से महिलाओं के सशक्तीकरण, सम्मान और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम कर रही है।कार्यक्रम के दौरान प्रदेश सरकार की ओर से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को साड़ी और यूनिफॉर्म की सौगात भी दी गई। इसके लिए डीबीटी के माध्यम से 29.59 करोड़ रुपये की धनराशि स्थानांतरित की गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंच पर नेहा दुबे, मानसी साहू, पूनम तिवारी और मनोरमा मिश्रा को साड़ी प्रदान की, जबकि सेवा मित्र आकांक्षा (ब्यूटीशियन) और रत्ना भारती को यूनिफॉर्म देकर सम्मानित किया। इस पहल का उद्देश्य आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को एक विशिष्ट पहचान देना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के साथ–साथ कार्यस्थल पर सम्मान की भावना को मजबूत करना है।लखनऊ के रानीगंज की निवासी आंगनबाड़ी कार्यकत्री मानसी साहू ने मुख्यमंत्री के इस फैसले पर खुशी जताते हुए कहा कि महिला दिवस के अवसर पर सरकार द्वारा साड़ी और यूनिफॉर्म की व्यवस्था करना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनती है और समाधान के लिए ठोस कदम उठाती है। यूनिफॉर्म के लिए दी जा रही धनराशि सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाती है। वहीं कई आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं ने भी उम्मीद जताई कि सरकार जल्द ही उनका मानदेय बढ़ाने की दिशा में भी निर्णय लेगी।योगी सरकार द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के प्रति सम्मान और उनके योगदान की सराहना करते हुए उन्हें साड़ी और यूनिफॉर्म उपलब्ध कराना सरकार की संवेदनशीलता का प्रतीक माना जा रहा है। इससे आंगनबाड़ी केंद्रों की गरिमा और एकरूपता को भी मजबूती मिलेगी। साड़ी और यूनिफॉर्म मिलने से कार्यकत्रियों में आत्मविश्वास और उत्साह का माहौल देखने को मिला। आंगनबाड़ी सहायिका पूनम तिवारी ने सरकार की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पहले की सरकारें उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं देती थीं, लेकिन वर्तमान सरकार हर स्तर पर उनका सहयोग कर रही है।इसके अलावा योगी सरकार ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से बीमा प्रीमियम की 8.90 करोड़ रुपये की धनराशि भी डीबीटी के माध्यम से स्थानांतरित की। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, मिनी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से जोड़ा गया है, जिससे उन्हें आर्थिक सुरक्षा मिल सके।प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग की पात्र कार्यकत्रियों को किसी भी कारण से मृत्यु होने पर 2 लाख रुपये का जीवन बीमा कवर मिलता है, जिसका वार्षिक प्रीमियम 436 रुपये है। वहीं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत 18 से 59 वर्ष आयु वर्ग की पात्र कार्यकत्रियों को दुर्घटना में मृत्यु या पूर्ण स्थायी विकलांगता होने पर 2 लाख रुपये और आंशिक स्थायी विकलांगता की स्थिति में 1 लाख रुपये तक का बीमा कवर मिलता है, जिसका वार्षिक प्रीमियम मात्र 20 रुपये है।

जेडीयू में शामिल हुए निशांत कुमार, बिहार की सक्रिय राजनीति में किया पदार्पण

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार ने रविवार को जनता दल यूनाइटेड (जदयू) की सदस्यता ग्रहण की और इसके साथ हीं उनका औपचारिक तौर पर बिहार की सक्रिय राजनीति में पदार्पण हो गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के फैसले के बाद जदयू नेताओं और कार्यकर्ताओं की तरफ से निशांत को सक्रिय राजनीति में लाने की मांग तेज हो गई थी। पिछले तीन दिनों तक पार्टी के अंदर हुई मशक्कत और विधायकों की बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिली सहमति के बाद आज निशांत कुमार ने जदयू की सदस्यता ग्रहण कर ली है। निशांत को जदयू के प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक भव्य समारोह में पार्टी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस अवसर पर पार्टी के शीर्ष नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे। कार्यकर्ताओं ने उत्साह और उम्मीद के साथ इस समारोह को एक ऐतिहासिक क्षण बना दिया और आशा व्यक्त की कि संसद के उच्च सदन में नीतीश कुमार के जाने के बाद निशांत पार्टी की नई ताकत और ऊर्जा बनेंगे। जदयू की सदस्यता ग्रहण करने के बाद निशांत ने पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे पार्टी को मजबूत बनाने के लिए अपनी पूरी कोशिश करेंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के फैसले से कार्यकर्ताओं के बीच पैदा हुई निराशा और पीड़ा को कम करने की कोशिश करते हुए उन्होंने कहा कि यह उनका व्यक्तिगत निर्णय है।

(पुलिस चर्चा)

‘आर सी राठौर’
संपादक

अब हवायें ही करेंगी रोशनी का फैसला। जिस दिये में जान होगी वो दिया रह जायेगा।।

यह भारत देश का दुर्भाग्य है कि भारत में पुलिसकर्मियों को जो शोहरत, इज्जत मिलनी चाहिए थी वह नहीं मिली सर्वप्रथम ब्रिटिश–भारत मे 1786–93 मे गवर्नर– जनरल लार्ड कार्नवालिस ने, कलकत्ता,ढाका, पटना, तथा मुर्शिदाबाद में प्रत्येक जिले में एक पुलिस अधीक्षक की नियुक्ति की। भारत के वर्तमान पुलिस विभागों की स्थापना सन् 1843 में हुई जब सर चार्ल्स नेपियर ने औपनिवेशिक आयरिश कांस्टेबुलरी की तर्ज पर सिंध में एक पुलिस प्रणाली की स्थापना की सन् 1857 में विद्रोह के पहले युद्ध के बाद ब्रिटिश,भारत सरकार सन् 1860 में एक पुलिस आयोग की स्थापना की, इसमें यह जानना दिलचस्प होगा कि आयोग का स्पष्ट निर्देश था कि पुलिस का कर्तव्य पूरी तरह से नागरिक होना चाहिए। भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची के अन्तर्गत पुलिस राज्य का विषय है, इसलिए उत्तर प्रदेश राज्य सरकार का कर्तव्य बनता है कि पुलिसकर्मियों के बेहतरी के बारे मे विचार करे उत्तर प्रदेश पुलिस से केवल राजनीतिक लाभ न लिया जाए, अगर उत्तर प्रदेश के पुलिसकर्मियों से बेहतर कार्य लेना है तो उन्हें राजनीति से मुक्त करना ही होगा,कोई भी पुलिसकर्मी राजनीतिक दबाव के चलते बेहतर ढंग से कार्य नहीं कर सकता।और निष्ठा से अपना कार्य नहीं कर पा रहा उसी के कारण कुछ पुलिस कर्मी अपनी ड्यूटी से भटक जाते जिसको आगे चलकर परेशानियों का सामना करना पड़ता है देखा गया कि हमारे ईमानदार पुलिसकर्मी पर धन उगाही का आरोप बहुत आसानी से लगा दिये जाते ये भी राजनीतिक का ही पहलू होता है अपने कार्य को बनाने के लिए पुलिस कर्मी को ही मोहरा बनाया जाता है

मो. 9335634340

विजय थलापति को एनडीए में क्यों शामिल करना चाहती है भाजपा?

एजेंसी

पार्टी ने खुद बताई वजह

चेन्नई। तमिलनाडु में विधानसभा चुनावों के एलान से पहले सभी राजनीतिक दल अपने सियासी समीकरणों को दुरुस्त करने में जुटे हैं। इस बीच भाजपा ने अभिनेता से नेता बने विजय से अपील की है कि वे अन्नाद्रमुक (एआईएडीएमके) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल होने पर विचार करें। भाजपा का मानना है कि इससे राज्य में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) विरोधी वोटों के बिखराव को रोका जा सके।

राजनीतिक परिदृश्य और भाजपा की चिंताएं

तमिलनाडु भाजपा के प्रवक्ता ए. एन.एस. प्रसाद ने एक बयान में कहा कि राज्य की राजनीतिक स्थिति तेजी से विकसित हो रही है और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके सरकार जनता के बढ़ते असंतोष का सामना कर रही है। प्रसाद के अनुसार, डीएमके नेतृत्व आगामी चुनावों में अपनी चुनावी संभावनाओं को मजबूत करने के प्रयास में कई छोटे दलों और संगठनों को अपने गठबंधन में शामिल करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कदम सत्तारूढ़ दल की चुनावी प्रदर्शन और संभावनाओं के बारे में उसकी चिंताओं को दर्शाता है। भाजपा नेता ने डीएमके नेतृत्व वाले गठबंधन के भीतर हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों का भी उल्लेख किया, खासतौर से डीएमडीके को राज्यसभा सीट आवंटित करने के फैसला का जिक्र रहा। उन्होंने कहा कि इस कदम से कथित तौर पर वीसीके और वामपंथी दलों समेत कुछ पुराने गठबंधन सहयोगियों में असंतोष पैदा हुआ है।

जनता का असंतोष और चुनावी रणनीति

प्रसाद ने आगे दावा किया कि तमिलनाडु में कानून व्यवस्था, महंगाई और भ्रष्टाचार के आरोपों जैसे मुद्दों पर जनता का असंतोष बढ़ रहा है। उनका तर्क है कि ये कारक आगामी विधानसभा चुनावों में मतदाता की भावना को प्रभावित कर सकते हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि डीएमके का विरोध करने वाली सभी राजनीतिक शक्तियों को सत्ता विरोधी वोट को विभाजित करने से बचने के लिए मिलकर काम करने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से अभिनेता–राजनेता विजय से अपील की, जिनकी पार्टी तमिलागा वेट्री कड़गम (टीवीके) चुनावी राजनीति में प्रवेश की तैयारी कर रही है, कि वे एआईएडीएमके–भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के साथ गठबंधन करें।

एकजुट विपक्ष की आवश्यकता

प्रसाद के अनुसार, अगर विजय का घोषित उद्देश्य डीएमके को सत्ता में लौटने से रोकना है, तो एक व्यापक विपक्षी गठबंधन में शामिल होने से उस प्रयास को मजबूती मिल सकती है।

बहरीन में अमेरिकी नेवी मुख्यालय पर बड़ा हमला, 21 सैनिक किए ढेर

मनाना। मध्य–पूर्व में तनाव तेजी से बढ़ता जा रहा है। ईरान की सशस्त्र सेनाओं ने दावा किया है कि उन्होंने अमेरिका की यूएस नेवी मुख्यालय को निशाना बनाते हुए हमला किया, जिसमें 21 अमेरिकी सैनिकों के मारे जाने और कई अन्य के घायल होने का दावा किया गया है। यह हमला मनामा के जुफैर इलाके में स्थित नौसैनिक मुख्यालय पर हुआ बताया जा रहा है। ईरानी मीडिया ने हमले के बाद का एक वीडियो भी जारी किया है, जिसमें नौसैनिक परिसर के पास आग और काला धुआं उठता दिखाई दे रहा है। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों की ओर से अभी तक 21 सैनिकों की मौत की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। रिपोर्टों के मुताबिक 28 फरवरी 2026 को भी ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइल और शाहेद–136 ड्रोन से इसी बेस पर हमला किया था। उस हमले में रडार सिस्टम, सर्विस बिल्डिंग, सैटेलाइट कम्युनिकेशन उपकरण को नुकसान पहुंचने की खबर सामने आई थी। ईरान का कहना है कि यह हमला इजराइल और अमेरिका के कथित सैन्य अभियान "ऑपरेशन एपिक फ्यूरी" के जवाब में किया गया है, जिसमें ईरान के तेल आपूर्ति ठिकानों और कुछ वरिष्ठ नेताओं को निशाना बनाया गया था।

आप के पंजाब मॉडल के दस वादों में से एक भी पूरा नहीं हुआ

बजट केवल जुमलों का दस्तावेज : चुग

एजेंसी

चंडीगढ़। बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने कहा कि भगवंत मान सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि आम आदमी पार्टी की सरकार के पास पंजाब के विकास के लिए कोई ठोस रोडमैप नहीं है। चुग ने कहा कि यह बजट पंजाब के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के बजाय केवल घोषणाओं और जुमलों का दस्तावेज बनकर रह गया है। चुग ने कहा कि इस बजट की वास्तविकता सामने आने के बाद आम आदमी पार्टी को उसके 2022 के चुनावी वादों की याद दिलाना जरूरी है। चुग ने कहा कि उस समय अरविंद केजरीवाल ने बड़े प्रचार के साथ तथाकथित 10 सूत्रीय 'पंजाब मॉडल' पेश किया था, लेकिन आज चार साल बाद यह पूरी तरह विफल साबित हो चुका है और बजट ने इस सच्चाई को उजागर कर दिया है। चुग ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने "हर हाथ को रोजगार" देने का वादा किया था, लेकिन आज पंजाब का युवा अपने ही राज्य में अवसरों की कमी के कारण दूसरे राज्यों और विदेशों की ओर पलायन करने को मजबूर है। उन्होंने कहा कि जिस युवा शक्ति को पंजाब का भविष्य लिखना था, वही आज बेरोजगारी और निराशा के कारण राज्य छोड़ने को विवश है। नशे के खिलाफ कार्रवाई को लेकर केजरीवाल ने दावा किया था कि सरकार बनने के दो सप्ताह के भीतर पंजाब से ड्रग माफिया खत्म कर दिया जाएगा, लेकिन वास्तविकता यह है कि नशे की समस्या और अधिक गंभीर हो गई है। चुग ने कहा कि पिछले बजट में ड्रग जनगणना के लिए 150 करोड़ का प्रावधान किया गया था, लेकिन एक भी रुपया खर्च नहीं किया गया। उन्होंने सवाल किया कि यह पैसा कहां गया और क्या इसे केवल प्रचार और राजनीतिक दिखावे में खर्च कर दिया गया। चुग ने कहा कि पंजाब में कानून–व्यवस्था की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि लगभग हर दिन हत्या, फिरौती, गैंगवार और ग्रेनेड हमलों की खबरें सामने आ रही हैं। यहां तक कि आम आदमी पार्टी के अपने नेता भी दिनदहाड़े मारे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस और प्रशासन को राजनीतिक दबाव में कठपुतली बना दिया गया है, जबकि आम पंजाबी असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर है। चुग ने कहा कि भ्रष्टाचार खत्म करने का दावा करने वाली आम आदमी पार्टी की सरकार में भ्रष्टाचार अपने चरम पर पहुंच गया है। मान सरकार के मंत्रियों और विधायकों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं और खुद उनकी पार्टी के सांसद मलविंदर कंग ने अवैध खनन में हो रहे भ्रष्टाचार का खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि 2022 में खनन से 20,000 करोड़ राजस्व लाने का दावा किया गया था, लेकिन चार वर्षों में राज्य को मात्र लगभग ‍800 करोड़ ही मिले। चुग ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य क्रांति के नाम पर भी केवल भ्रम फैलाया गया। मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत 10 लाख स्वास्थ्य बीमा देने का दावा किया गया था, लेकिन वास्तव में केवल लगभग 1 लाख का ही कवरेज है। इसी तरह महिलाओं को 1000 प्रतिमाह देने का वादा चार साल तक पूरा नहीं किया गया और अब चुनाव नजदीक आते ही घोषणा की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को पहले पिछले 48 महीनों के बकाये का जवाब देना चाहिए। चुग ने कहा कि किसानों के कर्ज माफी और सभी फसलों पर एमएसपी जैसे वादे भी अधूरे पड़े हैं। वहीं उद्योग और व्यापार को बढ़ावा देने के दावों के बावजूद पंजाब से बड़े उद्योगों का पलायन हो रहा है।

प्रशांत महासागर में 6.0 तीव्रता का भूकंप

नयी दिल्ली। रविवार को दक्षिण प्रशांत महासागर में रिक्टर पैमाने पर 6.0 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। इसकी जानकारी भारत के नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनसीएस) ने दी। एनसीएस के अनुसार भूकंप 8 मार्च 2026 को भारतीय समयानुसार दोपहर 2.58 बजे आया।फिलहाल इस भूकंप से किसी बड़े नुकसान या सुनामी की चेतावनी की खबर नहीं है। भूकंप जिस क्षेत्र में आया, वह प्रशांत महासागर के 'रिंग ऑफ फायर' का हिस्सा है। यह दुनिया का सबसे सक्रिय भूकंपीय क्षेत्र माना जाता है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार दुनिया के लगभग 90: भूकंप इसी क्षेत्र में आते हैं। 81: सबसे बड़े भूकंप भी इसी बेल्ट में दर्ज होते हैं। 'रिंग ऑफ फायर' में कई टेक्टोनिक प्लेटें एक–दूसरे से टकराती या एक प्लेट दूसरी के नीचे धंसती हैं। इसी प्रक्रिया को सबडक्शन कहा जाता है।

‘आठ करोड़ लोगों का शोषण कर रहे स्टालिन’

प्लानीस्वामी बोले– पन्नीरसेल्वम ने धोखा दिया

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु में इस साल होने वाले विधानसभा के चुनाव को लेकर राज्य की सियासत में गर्माहट बढ़ गई है। चुनावी रण में राजनीतिक पार्टियों की तैयारियां और आरोप–प्रत्यारोप की भी सातवें आसमान पर पहुंच गया है। इसी बीच ईरोड में रविवार को ईरोड में हुई रैली में एआईएडीएमके (।प्।क्डड्ड) के महासचिव के पलानीस्वामी ने पूर्व मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम (ओ.पी.एस) पर तीखे हमले किए और सत्तारूढ़ पार्टी डीएमके के खिलाफ जमकर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि 'बी–टीम' होने का आरोप ओ. पी.एस पर सही साबित हुआ और जिन्होंने भी एआईएडीएमके को धोखा दिया और पार्टी से बाहर हो गए। पलानीस्वामी ने कहा कि ओ.पी.एस ने अब डीएमके में शरण ली है, जिसे एआईएडीएमके संस्थापक एम.जी.आर. ने 'दुष्ट ताकत' बताया था। उन्होंने आरोप लगाया कि डीएमके के उकसावे पर ओ.पी.एस ने एआईएडीएमके नेताओं के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए, लेकिन वे कानूनन नाकाम रहे। एआईएडीएमके प्रमुख ने कहा कि सामान्य कार्यकर्ता भी एआईएडीएमके में चुनाव जीतकर मुख्यमंत्री बन सकते हैं, लेकिन डीएमके में सिर्फ करुणानिधि के परिवार के लोग ही ऊंचे पदों पर पहुंचते हैं। उन्होंने डीएमके पर परिवारवादी राजनीति का आरोप लगाते हुए कहा कि एक परिवार आठ करोड़ लोगों का शोषण कर रहा है और एआईएडीएमके का लक्ष्य यही परिवार हराना है। पलानीस्वामी ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि स्टालिन का शासन महिलाओं, बच्चों और युवाओं के खिलाफ अपराध और गांजा जैसी समस्याओं के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने पूर्व एआईएडीएमके नेता ओ. पी.एस और वी. सेंटिलबालाजी को 'बैंक नोट की तरह' बताया जिनकी अब कोई वैल्यू नहीं है। पलानीस्वामी ने रैली में कहा कि हम अपनी पार्टी की रक्षा करेंगे, लेकिन आपकी पार्टी की कोई रक्षा नहीं कर सकता क्योंकि आपने खुद स्वार्थी ओ.पी.एस को स्वीकार किया। उन्होंने डीएमके को कांग्रेस का 'गुलाम' करार दिया और याद दिलाया कि करुणानिधि के समय भी कांग्रेस ने डीएमके को दबाया।

लुका-छिपी बंद करें और बीजेपी में शामिल हो जाएं मायावती

बसपा सुप्रीम पर कांग्रेस नेता उदित राज का करारा हमला

संवाददाता

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति के प्रोटोकॉल संबंधी राजनीतिक विवाद को अति दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए रविवार को कहा कि सभी को भारतीय संविधान की मान–मर्यादा के मुताबिक राष्ट्रपति पद का सम्मान करना चाहिए और इस ओहदे का किसी भी रूप में राजनीतिकरण करना ठीक नहीं है। इसे लेकर कांग्रेस नेता उदित राज ने मायावती पर करारा हमला बोला है। उन्होंने तंज करते हुए एक्स पर पोस्ट कर कहा कि आप बीजेपी में शामिल क्यों नहीं हो जातीं? राष्ट्रपति महोदया मुर्मू जी को नई संसद भवन के उद्घाटन पर जब मोदी जी ने नहीं बुलाया, तब क्या उनका अपमान नहीं हुआ? राम मंदिर के उद्घाटन पर भी उन्हें आमंत्रित नहीं किया गया। तब आपको प्रोटोकॉल का ख्याल क्यों नहीं आया? संसद भवन में अन्य पत्रकारों और फिल्मी दुनिया के लोगों को आमंत्रित किया गया, तब राष्ट्रपति महोदया क्यों चुप रहीं? खुद मुर्मू जी ने भी कभी अपने सम्मान की बात नहीं उठाई। जब मोदी सरकार ने आदिवासियों का आरक्षण छीन लिया, तब भी मुर्मू जी ने कुछ नहीं कहा।

संक्षिप्त

विवाहिता का शव फंदे से लटका मिला

उन्नाव (संवाददाता)। जिले के आसीवन थाना क्षेत्र में एक विवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी पर लटका मिला है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतका के मायके पक्ष ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। मृतका की पहचान रश्मी (40) पत्नी विमल अवस्थी, निवासी रसूलाबाद के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि रश्मी की शादी करीब 25 वर्ष पहले विमल अवस्थी से हुई थी। घटना की सूचना मिलने के बाद मायके पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे। मृतका के पिता श्रीराम शुक्ला ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है और इसमें ससुराल पक्ष की भूमिका है। उन्होंने बताया कि रश्मी के पति विमल अवस्थी का कमलापुर की एक महिला से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। परिजनों के अनुसार, इसी विवाद के कारण घर में आए दिन कहासुनी होती थी। मायके पक्ष का आरोप है कि इसी विवाद के चलते रश्मी की हत्या कर शव को फांसी पर लटकाया गया, ताकि इसे आत्महत्या का रूप दिया जा सके। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। मायके पक्ष को घटना की जानकारी बाहर से मिली, जिसके बाद वे मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, शव का पंचायतनामा कराया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। मायके पक्ष द्वारा लगाए गए आरोपों को भी जांच में शामिल किया जाएगा।

कुलदीप सेंगर समर्थकों की पदयात्रा रोकी गई

उन्नाव (संवाददाता)। जिले में पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर के समर्थकों द्वारा रविवार को प्रस्तावित श्न्याय पद यात्राश को पुलिस प्रशासन ने रोक दिया। सफीपुर तहसील मुख्यालय से शुरू होने वाली इस यात्रा को जनपद में लागू धारा 144 का हवाला देते हुए स्थगित कराया गया। इसके बाद समर्थकों ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री सहित अन्य उच्च पदाधिकारियों को संबोधित छह सूत्रीय ज्ञापन पुलिस को सौंपा। यह पदयात्रा तिहाड़ जेल में बंद पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर से जुड़े न्यायिक मामले में बढ़ते मीडिया ट्रायल से नाराज समर्थकों द्वारा आयोजित की गई थी। समर्थक विधायक आवास के पास एकत्र हुए थे और वहां से यात्रा शुरू करने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान, सुब्रत नारायण त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस बल मौके पर पहुंचा और समर्थकों को आगे बढ़ने से रोक दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनपद में धारा 144 लागू है, जिसके तहत बिना अनुमति किसी भी प्रकार की रैली या पदयात्रा निकालना नियमों के विरुद्ध है। पुलिस द्वारा समझाने के बाद समर्थकों ने यात्रा स्थगित कर दी। उन्होंने महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री भारत सरकार, केंद्रीय गृहमंत्री, भारत के मुख्य न्यायाधीश और केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री को संबोधित एक छह सूत्रीय ज्ञापन कोतवाली प्रभारी को सौंपा। कोतवाली प्रभारी ने ज्ञापन को संबंधित अधिकारियों तक उचित माध्यम से पहुंचाने का आश्वासन दिया। इस न्याय पद यात्रा का संयोजन दीपक सिंह कोटरा, शिवा सिंह माखी, अमरेंद्र प्रताप सिंह, नीतू सिंह सेंगर और संदीप सिंह चौहान ने किया था। कार्यक्रम में श्रीधर शुक्ला, रामेंद्र लोधी, रघुनंदन प्रसाद, चांद बाबू, संजय कुमार तिवारी, सोनू मिश्र, विकास वर्मा (प्रधान) और आयुष शुक्ला सहित कई दर्जन समर्थक मौजूद थे।

महिला ने घर में फांसी लगाई,18 साल पहले हुई थी शादी

उन्नाव (संवाददाता)। सदर कोतवाली क्षेत्र स्थित कटाई गांव में एक 35 वर्षीय महिला ने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर उन्नाव पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतका की पहचान कटाई मगरवारा निवासी गुड्डू की पत्नी अनीता (35) के रूप में हुई है। उसने रविवार शाम को अपने घर के अंदर यह कदम उठाया। अनीता की शादी लगभग 18 साल पहले गुड्डू से हुई थी। दंपति के तीन बच्चे हैं, जिनमें दो बेटे और एक बेटी शामिल हैं। परिजनों ने बताया कि घटना के समय अनीता घर पर अकेली थी। कुछ देर बाद परिवार के सदस्यों ने उसे कमरे में फंदे से लटका हुआ पाया। उन्होंने तुरंत उसे नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मृत्यु हो चुकी थी। इसके बाद पुलिस को घटना की सूचना दी गई। कोतवाली उन्नाव पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। महिला द्वारा आत्महत्या करने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है।पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा। पुलिस ने बताया कि मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है और परिजनों से भी पूछताछ की जा रही है ताकि घटना के पीछे की परिस्थितियों को स्पष्ट किया जा सके।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

उन्नाव (संवाददाता)। अजगैन थाना क्षेत्र के महीपतखेड़ा गांव में रविवार दोपहर एक 18 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें युवक ने अपनी निराशा व्यक्त की है। जिसमें लिखा- लिखा- मैं हर जगह से हार चुका हूं, प्रेमिका पर दबाव न डाला जाए। पुलिस के अनुसार, ग्राम महीपतखेड़ा निवासी दयाराम के पुत्र अनुराग (18) का शव घर के अंदर फांसी के फंदे से लटका मिला। घटना की जानकारी रविवार दोपहर करीब एक बजे यूपी पुलिस डायल 112 को दी गई, जिसके बाद अजगैन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने मृतक के शव का पंचायतनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच के दौरान कमरे से बरामद सुसाइड नोट को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है और उसकी जांच की जा रही है। सुसाइड नोट में अनुराग ने मा-बाप से माफी मांगते हुए लिखा, वह जीवन में हर जगह से हार चुका है। उसने खुद को एक अच्छा बेटा, भाई और प्रेमी साबित नहीं कर पाने की बात कही। युवक ने यह भी लिखा कि जिन लोगों से उसने प्यार किया, वे उससे दूर हो गए, इसलिए वह इस तरह घुट-घुट कर नहीं जी सकता। अनुराग ने अपने माता-पिता से अपील की कि वे उसका सामान, जैसे कपड़े, जूते, घड़ी और परफ्यूम उसके भाई आदित्य को दे दें और अपनी बहन का ख्याल रखें। उसने स्पष्ट किया कि उसकी मौत के लिए कोई अन्य व्यक्ति जिम्मेदार नहीं है और यह कदम वह किसी के दबाव में आकर नहीं उठा रहा है। युवक ने अपने माता-पिता से यह भी अनुरोध किया कि उसकी मौत के बाद किसी पर भी कोई दबाव न बनाया जाए और उसकी प्रेमिका को किसी प्रकार से परेशान न किया जाए। उसने अपनी आखिरी इच्छा बताते हुए लिखा कि उसके माता-पिता किसी को भी दोषी न ठहराएं। सुसाइड नोट में उसने अपनी प्रेमिका के लिए भावनात्मक पंक्तियां भी लिखी हैं। उसने लिखा, "ना चांद अपना था, ना तू अपना था, काश दिल भी समझ लेता कि सब सपना था।" साथ ही अंग्रेजी में "आई विल ऑलवेज योर्स" भी लिखा है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है और परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी और मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

जिला अस्पताल में 50 से ज्यादा ने किया रक्तदान

उन्नाव (संवाददाता)। उमा शंकर दीक्षित जिला अस्पताल में रविवार को एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 50 से अधिक लोगों ने रक्तदान किया, जिससे जरूरतमंद मरीजों की मदद करने का संकल्प लिया गया। यह आयोजन 'पचास से अधिक रक्तदाता' संस्था द्वारा किया गया था। संस्था के अध्यक्ष चेतन मिश्रा के आह्वान पर बड़ी संख्या में लोग शिविर में पहुंचे। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि शकुन सिंह और श्वेता मिश्रा भानू ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम के दौरान रक्तदान करने वालों को मंच से श्प्रेरणा सम्मानश से सम्मानित किया गया। साथ ही, संस्था से जुड़ी महिलाओं को भी समाज सेवा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सराहा गया। पूर्व में रक्तदान कर चुके रक्तदाताओं का भी उत्साहवर्धन किया गया।

आयात महंगा और रुकने लगे भुगतान, कच्चा तेल महंगा होने से उद्योगों पर संकट

कानपुर। अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध से चमड़ा, कपड़ा, प्लास्टिक उद्योग पर संकट के बादल मंडराने शुरू हो गए हैं। कच्चा तेल महंगा होने और आयात वस्तुओं के दाम बढ़ने से स्थितियां बिगड़ रही हैं। गैस की कीमतें बढ़ने की आशंका के चलते इकाइयों में उत्पादन धीमा हो गया है। इकाइयों को भुगतान भी रुकने लगा है। पेट्रोलियम पदार्थ पर निर्भर उद्योग प्लास्टिक, रसायन कारोबार पर आने वाले समय में महंगाई बढ़ने की संभावना है। इसका सीधा असर आम आदमी पर आएगा। निर्यातकों के सामने और बड़ी समस्या हो गई है। शिपिंग कंपनियों ने मालभाड़ा और समुद्र जोखिम बीमा तीन गुना पहले ही कर दिया है, जो आगे और बढ़ सकता है। इसके अलावा कच्चा माल महंगा होने से उत्पादों की कीमतों में इजाफा होना तय हो गया है। आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू होने से कानपुर, कानपुर देहात के प्लास्टिक उद्योग पर संकट ज्यादा दिख सकता है। कानपुर, उन्नाव, कानपुर देहात के रनियां में चमड़ा उद्योग का बड़ा कारोबार है।

इकाई संचालकों ने काम कर दिया है धीमा

250 के करीब टेनरियां और जूतों की फैक्टरी हैं। इसी तरह कानपुर नगर, देहात में प्लास्टिक, पैकेजिंग मैटीरियल आदि की 150 के करीब इकाइयां हैं। शहर में कपड़ा, रेडीमेड और होजरी का बहुत बड़ा कारोबार है। इन उद्योगों पर युद्ध का सीधा असर देखने को मिल रहा है। इन इकाइयों में एक लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार मिल रहा है। कच्चा माल महंगा होने से इकाई संचालकों ने काम धीमा कर दिया है। ज्यादातर उद्योग गैस आधारित हैं। इसकी आपूर्ति में अनिश्चितता जैसी स्थिति होने की आशंका में ये कदम उठाए जा रहे हैं।

अब उद्योगों पर भी दिखने लगा है असर

प्लास्टिक इंडस्ट्री एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अतुल सेठ ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा तेल रिफाइनरियों को आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश का असर अब उद्योगों पर भी दिखने लगा है। इस फैसले के बाद कानपुर के प्लास्टिक उद्योग में कच्चे माल की कमी और कीमतों में तेजी का संकट गहराने लगा है। उनका कहना है कि प्रोपेन और ब्यूटेन जैसी गैसों का बड़ा हिस्सा अब एलपीजी उत्पादन में लगाया जा रहा है।

कच्चे माल की कीमतें पहले ही बढ़ने लगी हैं

इससे प्लास्टिक उद्योग को मिलने वाला कच्चा माल प्रभावित हो सकता है। केंद्र सरकार का यह कदम घरेलू गैस की आपूर्ति निर्बाध रखने के लिहाज से महत्वपूर्ण है लेकिन इसका असर उद्योगों पर पड़ना तय है। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल की कीमतें पहले ही बढ़ने लगी हैं। प्लास्टिक दाना जो पहले करीब 130 रुपये किलो मिल रहा था, अब बढ़कर लगभग 190 रुपये किलो तक पहुंच गया है।

ऐसे बढ़ेगी मंहगाई

अतुल सेठ ने बताया कि प्रोपेन और ब्यूटेन से बनने वाले कच्चे पदार्थ का इस्तेमाल प्लास्टिक फॉर्म, बैग और पीवीसी जैसे उत्पादों में किया जाता है। कच्चे माल की कमी और कीमतों में बढ़ोत्तरी का सीधा असर प्लास्टिक उद्योग पर पड़ेगा। इसके चलते पैकेजिंग सामग्री से लेकर आम लोगों के रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली कई प्लास्टिक वस्तुएं महंगी हो सकती हैं। उद्योग से जुड़े हजारों कामगारों के सामने रोजगार का संकट खड़ा होने की भी आशंका जताई जा रही है।

ये उत्पाद किए जाते हैं आयात

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (फियो) के संयोजक आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि उत्पादों की लॉजिस्टिक कास्ट बढ़ने से कानपुर में आयातित होने वाले उत्पाद व वस्तुओं के दाम बढ़ गए हैं। युद्धग्रस्त देशों के अलावा यूरोप, अमेरिका से शहर में ऊर्जा और पेट्रोलियम उत्पाद, धातु और निर्माण सामग्री, एल्युमीनियम, स्टील और लोहे के उत्पाद, जिप्सम (सीमेंट उद्योग में), कीमती धातु और पत्थर,

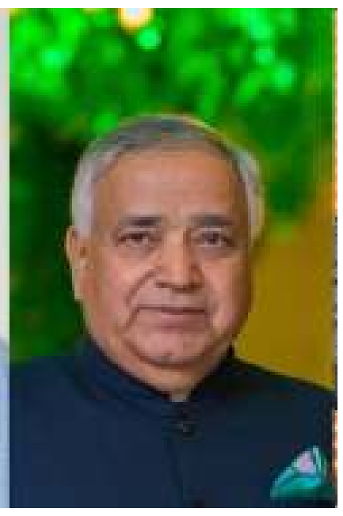

सोना, चांदी, हीरे और अन्य कीमती पत्थर, केमिकल उत्पाद, क्रोमियम, सल्फर, डाई और टैनिंग केमिकल, खजूर और सूखे मेवे, परफ्यूम और कॉस्मेटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और लक्जरी सामान, कच्चा धागा, यार्न, फाइबर, मशीनरी, प्लास्टिक से बने हुए दाने आदि का आयात किया जाता है।

उद्योगों की ऊर्जा लागत बढ़ रही है। केमिकल और लेदर फैक्टरियों के उत्पादन खर्च बढ़ रहे हैं। आयातित कच्चा माल देर से पहुंच रहा है। उत्पादन में देरी और लागत में वृद्धि हो रही है। लॉजिस्टिक और बीमा तीन गुना तक बढ़ गया है। अभी तक यूरोप के देशों में 28 दिन में माल पहुंच जाता था। अब 60-70 दिन लगने का अनुमान शिपिंग कंपनियां बता रही हैं। कच्चा माल भी महंगा हो गया है। चमड़ा उद्योग के सामने संकट का समय है। -यादवेंद्र सचान, चर्म उत्पाद निर्यातक

प्लास्टिक उत्पाद पेट्रोलियम आधारित होते हैं। पेट्रोलियम उत्पाद युद्ध की वजह से महंगे हो गए हैं। इसका सीधी असर प्लास्टिक उद्योग पर आ गया है। कच्चा माल महंगा होने से उत्पादन लागत बढ़ गई है। प्लास्टिक उत्पादों का रोजमर्रा की वस्तुओं में सीधा उपयोग होता है। ज्यादा उद्योग अब गैस आधारित हैं। आपूर्ति में अनिश्चितता के चलते उत्पादन कुछ धीमा किया गया हे। निर्यातक इकाइयों ने एमएसएमई के भुगतान भी रोकना शुरू कर दिया है। -दिनेश बरासिया, मंडल अध्यक्ष, आईआईए

पॉलिस्टर यार्न धागा, पॉलिस्टर फाइबर के दाम में 10 दिन के भीतर में 15 प्रतिशत की तेजी आ गई है। जो यार्न पहले 140 रुपये प्रति किलो तक था, अब 160-165 रुपये किलो तक हो गया है। पॉलिस्टर यार्न धागा, पॉलिस्टर फाइबर का उपयोग सबसे ज्यादा फैशन या नॉन कॉटन कपड़ों में किया जाता है। कच्चा माल महंगा हो गया है। इससे तैयार उत्पाद भी महंगा हो गया है। ईंधन की आपूर्ति में अनिश्चितता के चलते उद्योग जगत में भय का माहौल बन गया है। -बलराम नरूला, एमडी, जेट निटवियर

250 रनों का लक्ष्य और सटीक लाइन-लेंथ, कुलदीप के कोच ने भारतीय जांबाजों को दी बड़ी सलाह

कानपुर। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले जा रहे आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप के फाइनल मुकाबले को लेकर भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव के कोच कपिल पांडे ने टीम इंडिया के बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई है। पांडेय ने कहा कि फाइनल मुकाबला बड़े मैदान पर खेला जा रहा है। ऐसे में भारतीय बल्लेबाजों को धैर्य के साथ खेलते हुए बड़ा स्कोर खड़ा करना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि टीम के ओपनर अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन टीम को मजबूत शुरुआत देंगे। संजू को सेमीफाइनल वाली पारी फिर से दोहरानी पड़ेगी, साथ ही अभिषेक को अपने विकेट की कीमत समझकर अच्छा खेलना पड़ेगा उन्होंने कहा कि इसके बाद ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पांड्या, तिलक वर्मा और शिवम दुबे को भी बेहतर पारी खेली होगी।

सटीक लाइन-लेंथ के साथ गेंदबाजी करने की अपील

इससे भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए बड़ा स्कोर खड़ा करें, जैसा उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ मैच में किया था। पांडेय का मानना है कि यदि भारत कम से कम 250 रनों का लक्ष्य खड़ा करता है ताकि न्यू के लिए उसे हासिल करना आसान नहीं होगा। उन्होंने गेंदबाजों से भी सटीक लाइन-लेंथ के साथ गेंदबाजी करने की अपील की। उनका कहना है कि यदि न्यूजीलैंड पहले बल्लेबाजी करता है।

इतिहास बनाने का मौका है

ऐसे में भारतीय गेंदबाजों को उसे 175 रनों के आसपास रोकने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि संतुलित प्रदर्शन के दम पर इंडिया फाइनल मुकाबले में जीत दर्ज कर सकती है। उन्होंने सूर्यकुमार यादव कल उनकी टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि यह वह टीम है, जो फाइनल जीत कर इतिहास रचेगी, क्योंकि अभी तक किसी भी टीम ने अपने घरेलू मैदान पर फाइनल मुकाबला टी-20 विश्व कप का नहीं जीता है। ऐसे में इतिहास बनाने का मौका है।

डंपर की टक्कर से बाइक सवार जीजा की मौत, साला गंभीर रूप से घायल

कानपुर। नौबस्ता के यशोदानगर हाईवे पर शनिवार शाम तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से बाइक सवार जीजा की मौत हो गई। साथ में रहा साला गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने घायल को नाजुक हालत में अस्पताल में भर्ती कराया। परिजनों ने पुलिस को बताया कि दोनों महाराजपुर के करबिगवां जा रहे थे। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गुजैनी के पिपौरी मर्दनपुर निवासी अनिल (45) प्राइवेट नौकरी करते थे। परिवार में पत्नी किरन, बेटा शोभित और बेटी सोनिया हैं। छोटे भाई मनोज ने बताया कि भइया अनिल शनिवार शाम करीब 6रू30 बजे अपने साले संजय (35) के साथ बाइक से नौबस्ता हाईवे से होते हुए अपनी महाराजपुर के करबिगवां स्थित ससुराल जा रहे थे। यशोदानगर हाईवे पहुंचे थे कि पीछे से आ रहा तेज रफ्तार डंपर बाइक में टक्कर मारते हुए भाग निकला। टक्कर से दोनों काफी दूर तक घिसटते चले गए।

दो रुपये के विवाद में नशेबाज ने दुकानदार की उंगली काटी, खंड शिक्षाधिकारी कार्यालय के सामने हुई घटना

कानपुर। बिल्हौर कस्बे के खंड शिक्षाधिकारी कार्यालय के सामने प्राइमरी स्कूल (प्रथम) के गेट पर स्थित दुकान पर रविवार को दोपहर सिगरेट के दो रुपये को लेकर दुकानदार व नशेबाज ग्राहक में विवाद हो गया। बात बढ़ने पर नशेबाज ने दांत से दुकानदार की उंगली काटकर अलग कर दी। चीख पुकार सुनकर पहुंचे आसपास के दुकानदारों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया।

घायल दुकानदार की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी अंशू कुशवाहा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। कस्बे के प्राइमरी स्कूल (प्रथम) के गेट पर मुकेश उर्फ दीपू की बेकरी व पान मसाला और सिगरेट की दुकान है। मुकेश ने पुलिस को बताया कि रविवार को दोपहर नशे में धुत एक युवक दुकान पर आया और सिगरेट मांगकर पीने लगा। सिगरेट पीने के बाद उसने उन्हें पांच रुपये दिए तो उन्होंने सात रुपये कीमत होने की बात उसे बताई। इस पर उसने दो रुपये देने के बजाए गालीगलौज शुरू कर दी। बात बढ़ने पर युवक काउंटर के अंदर आकर धक्का मुक्की करने लगा। उन्होंने उसे हटाने का प्रयास किया, तभी उस युवक ने उनकी बाएं हाथ की उंगली दांत से काटकर अलग कर दी। उधर, इस बाबत सहायक पुलिस आयुक्त मंजय सिंह ने बताया कि दुकानदार मुकेश की तहरीर पर रिपोर्ट दर्जकर आरोपी अंशु कुशवाहा निवासी लालबहादुर नगर तिलियाना गली को हिरासत में ले लिया गया है। घायल दुकानदार को हॉस्पिटल भेजा गया है।

भागवत पाठ का शुभारंभ,कलश यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु शामिल

उरई/जालौन, संवाददाता। ग्राम गोवर्धनपुरा में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत पाठ का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। इस दौरान सैकड़ों महिला-पुरुष श्रद्धालु सिर पर कलश लेकर जल यात्रा में शामिल हुए। यह यात्रा गांव के प्रमुख मार्गों से गुजरी। कलश शोभायात्रा गोवर्धनपुरा से शुरू होकर राम-जानकी मंदिर पहुंची। यहां विद्वान पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलशों में जल धारण कराया। शोभायात्रा में गाजे-बाजे और डीजे भी शामिल थे, जिससे माहौल भक्तिमय हो गया। वापसी के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ और बढ़ गई। शोभायात्रा ने गोवर्धनपुरा गांव के चारों ओर परिक्रमा की और फिर यज्ञ स्थल पर पहुंची। यहां गंगाजल से भरे कलशों को विधि-विधान से स्थापित किया गया। आयोजकों ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक होगी। कथावाचक मशहूर कथावाचक नरेंद्र मिश्रा जी (काकाजू शास्त्री महाराज) अपने मुखारविंद से कथा का वाचन करेंगे। इस आयोजन में महंत श्री श्री 1008 श्री बालक दास जी महाराज पजोनिया सरकार और यज्ञ समिति के अध्यक्ष महंत श्री श्री 108 मोहनदास महाराज नर हरि सरकार अण्डा जैसे प्रमुख संत उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अभिराम शास्त्री जी, दयानंद रामबिहारी, राम भूषण उदैनिया, अन्नू बुधौलिया, श्री प्रकाश शुक्ला, हरनारायण बोहरे, ओमजी महाराज, बेटू बोहरे जी, रामबाबू पटेल, लल्ला पटेल, राहुल सहित सैकड़ों ग्रामीण और श्रद्धालु उपस्थित थे।

वन मंत्री डा. अरुण सक्सेना का एट में स्वागत

उरई/जालौन, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना का एट (जालौन) आगमन पर स्वागत किया गया। उन्होंने इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया। यह कार्यक्रम एट के एनएच 27 स्थित मधुराम होटल में आयोजित किया गया। इसका आयोजन आनंदी महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा समाजसेवी पुष्पेंद्र सिंह और समूह की अध्यक्ष श्यामा देवी (ग्राम भरसूड़ा) के कुशल नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं, समाजसेवियों और गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। मंत्री डॉ. सक्सेना का स्वागत पुष्पगुच्छ और स्मृति-चिह्न भेंट कर किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने महिला स्वयं सहायता समूहों की सराहना करते हुए कहा कि महिलाएँ आत्मनिर्भर भारत की मजबूत आधारशिला हैं। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान समूह की महिलाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली गई। इसके अतिरिक्त, स्थानीय विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर सत्येंद्र कुमार श्रीवास्तव (अध्यक्ष, हेल्पिंग हैंड्स सेवा संस्थान, झांसी), विनय पाल (मंडल अध्यक्ष, एट), शीलू गौतम, श्रीमती श्यामा देवी (अध्यक्ष, आनंदी महिला स्वयं सहायता समूह), समाजसेवी सत्येंद्र सिंह यादव (भरसूड़ा), प्रमोद मित्तल, बृजेश निरंजनपुर (मंडल अध्यक्ष), सत्येंद्र यादव (गुमावली), हुकुम सिंह, देवी शरण (पप्पू पहलवान), श्री प्रकाश, नंदू राम, रईस, बृज बिहारी, धीरज सिंह, पवन, बदल, गजेंद्र सभासद, प्रदीप रुखना और ग्रामवासी भरसूड़ा, रुखना सहित क्षेत्रीय गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सांड के हमले से बुजुर्ग की मौत,48 घंटे में दो घटनाएं

बहराइच, संवाददाता। जिले में आवारा पशुओं के हमलों से लोग दहशत में हैं। बीते 48 घंटों में इन हमलों में एक बुजुर्ग की मौत हो गई है, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल है। दो दिन पहले रिसिया इलाके के इंदिरा नगर में 75 वर्षीय विजय सिंह साइकिल से जा रहे थे, तभी एक सांड ने उन पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल विजय सिंह को इलाज के लिए लखनऊ ले जाया गया, जहां उनकी मृत्यु हो गई। स्थानीय लोगों ने आवारा जानवरों को पकड़ने की मांग की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसी इलाके में चार दिन पहले भी एक बंदर ने घर की छत पर धूप सेंक रहे बुजुर्ग सादिक पर हमला कर उनका कान काट दिया था। दूसरी घटना रविवार शाम रानीपुर इलाके में हुई। मंदिर से दर्शन कर घर लौट रहे 76 वर्षीय छोटन पर एक आवारा कुत्ते ने हमला कर उनके बाएं हाथ की उंगली चबा डाली। लोगों के डंडे लेकर दौड़ने पर कुत्ता भागा, जिससे उनकी जान बच सकी। लगातार हो रहे इन हमलों से लोगों में आक्रोश है। स्थानीय प्रशासन से सभी ने आवारा जानवरों को पकड़ने और इस समस्या का समाधान करने की मांग की है।

सड़क किनारे मिला मृत नवजात,पुलिस जांच में जुटी

बहराइच, संवाददाता। विशेश्वरगंज ब्लॉक की ग्राम सभा जलालपुर में सोमवार को एक नवजात शिशु का शव सड़क किनारे थैले में बंद मिला। इस घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह राहगीरों ने सड़क किनारे एक थैला पड़ा देखा। पास जाकर देखने पर उसमें मृत नवजात शिशु पाया गया। इसकी सूचना तत्काल ग्रामीणों को दी गई, जिसके बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। आशंका जताई जा रही है कि जन्म के तुरंत बाद किसी अज्ञात व्यक्ति ने नवजात को सड़क किनारे फेंक दिया था, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। इस घटना को लेकर ग्रामीणों में रोष है। थाना अध्यक्ष संदीप द्विवेदी ने बताया कि नवजात शिशु को थैले में बांधकर सड़क किनारे फेंका गया था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है और मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

शंकराचार्य राजराजेश्वर जी महाराज के सान्निध्य में दिव्य सम्मेलन

नोएडा, संवाददाता। ग्रेटर नोएडा के जेवर स्थित रबूपुरा के एक फार्म हाउस में सोमवार को दिव्य सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह सम्मेलन जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी राजराजेश्वर जी महाराज (शारदा पीठाधीश्वर) के सान्निध्य में संपन्न हुआ। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु, संतगण और क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अन्त:फसली खेती को मिशन मोड में लागू करें

अन्नदाता की आय में होगा कई गुना इजाफा-योगी
गन्ने के साथ सरसों, मसूर, उर्द और मूंग जैसी उच्च मूल्य वाली फसलों की अंत:फसल किसानों के लिए लाभकारी

लखनऊ, संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश को कृषि क्षेत्र में नई छलांग दिलाने का सबसे प्रभावी तरीका श्गन्ना के साथ तिलहनी एवं दलहनी अन्त:फसली खेतीश को बड़े पैमाने पर लागू करना है। यह मॉडल गन्ना किसानों की आय को केवल दोगुना नहीं, बल्कि बहु–गुणित करने की क्षमता रखता है। मुख्यमंत्री सोमवार को इस विषय पर उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। गन्ने के साथ सरसों, मसूर, उर्द और मूंग उच्च मूल्य वाली फसलों की अंत:फसल किसानों को अतिरिक्त उत्पादन, कम लागत और पूरे वर्ष स्थिर आय उपलब्ध कराती है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति अधिक मजबूत होती है। प्रदेश में कृषि योग्य भूमि का क्षैतिज विस्तार अब संभव नहीं है, इसलिए ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के लक्ष्य के लिए उत्पादन बढ़ाने का एकमात्र रास्ता इकाई क्षेत्रफल से अधिक फसल उत्पादन है। श्गन्ना आधारित अंत:फसली खेती उत्तर प्रदेश के कृषि भविष्य का नया मॉडल है। यह किसानों को अधिक उत्पादन, अधिक कमाई और जोखिम से सुरक्षा तीनों प्रदान करती है।मुख्यमंत्री ने इस योजना को वर्ष 2026–27 से 2030–31 तक मिशन मोड में लागू करने के निर्देश दिए। वर्तमान में प्रदेश में 29.50 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में गन्ने की खेती होती है, जिसमें 14.64 लाख हेक्टेयर नया बोया गया क्षेत्र और 14.86 लाख हेक्टेयर पेड़ी शामिल है। उन्होंने कहा कि इतने बड़े क्षेत्र में तिलहन और दलहन की अंत:फसल जोड़ने से उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और साथ ही प्रदेश एवं देश की तिलहन–दलहन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को नई मजबूती मिलेगी। कृषि विज्ञान केंद्र एवं कृषि विश्वविद्यालयों के माध्यम से क्रियान्वित करते हुए अंत:फसल का चयन वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक आधार पर किया जाए। उन्होंने आईआईएसआर की सिफारिशों के अनुसार रबी सीजन में सरसों और मसूर तथा जायद सीजन में उर्द और मूंग को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया। गन्ने की पैदावार प्रभावित किए बिना अतिरिक्त फसल, अतिरिक्त लाभ और अतिरिक्त सुरक्षा, यही इस

मॉडल की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने इस योजना के लिए वर्षवार रोडमैप तैयार करने को कहा। अंत:फसलों को अपनाने से किसानों को तेज नकदी प्रवाह मिलेगा और एकल फसल जोखिम कम होगा, जिससे कृषि अधिक स्थिर और टिकाऊ बनेगी।

सार्वजनिक मंचों पर पार्टी विरोधी बयानबाजी करने वालों पर गिरेगी गाज, भाजपा बोली, बगावती तेवर अब नहीं होंगे बर्दाश्त

लखनऊ, संवाददाता)। उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी में अनुशासन को लेकर सख्त रुख अपनाया गया है। पार्टी कार्यक्रमों और सार्वजनिक मंचों पर बगावती तेवर दिखाने वाले नेताओं और जनप्रतिनिधियों के खिलाफ अब कड़ी कार्रवाई की तैयारी है। सूत्रों के अनुसार, ऐसे नेताओं से जवाब तलब किया जाएगा और संतोषजनक स्पष्टीकरण न मिलने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई तय मानी जा रही है। यूपी भाजपा की अनुशासन समिति जल्द ही ऐसे नेताओं और पदाधिकारियों को नोटिस जारी करेगी, जिन्होंने हाल के दिनों में पार्टी लाइन से हटकर बयानबाजी की है या सार्वजनिक रूप से नाराजगी जाहिर की है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि इस तरह की बयानबाजी से न सिर्फ संगठनात्मक एकता प्रभावित हो रही है, बल्कि जनता के बीच पार्टी की छवि को भी नुकसान पहुंच रहा है। बीते कुछ समय में कई विधायक, जनप्रतिनिधि और संगठन से जुड़े पदाधिकारी खुलेआम सरकार और संगठन के कामकाज पर सवाल उठाते नजर आए हैं। विकास कार्यों, संगठनात्मक फैसलों और आपसी समन्वय को लेकर सामने आ रही असंतोष की आवाजों ने हाईकमान की चिंता बढ़ा दी है। खासतौर पर 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी किसी भी तरह का आंतरिक नुकसान उठाने के मूड में नहीं है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, अब सार्वजनिक मंचों पर अनुशासनहीनता या नेतृत्व के खिलाफ बयान देने को गंभीरता से लिया जाएगा। अनुशासन समिति ऐसे मामलों पर पैनी नजर रखे हुए है और जरूरत पड़ने पर उदाहरणात्मक कार्रवाई भी की जा सकती है। नेतृत्व का स्पष्ट संदेश है कि संगठन के भीतर अपनी बात रखने के लिए पार्टी के आंतरिक मंच मौजूद हैं, लेकिन सार्वजनिक बयानबाजी स्वीकार नहीं की जाएगी। भाजपा नेतृत्व ने विकास कार्यों की गति और संगठन में बढ़ती आपसी कलह को लेकर भी निगरानी तेज कर दी है। पार्टी का मानना है कि आंतरिक एकजुटता के बिना चुनावी सफलता संभव नहीं है। ऐसे में अनुशासन समिति अब सख्ती के मूड में है और आने वाले दिनों में इस दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकते हैं।

भाजपाई घपलेबाज अल्पसंख्यक समुदाय के वोट कटवाने की कोशिश कर रहे हैं : अखिलेश यादव

लखनऊ, संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने वोटर लिस्ट से नाम कटवाने वाले फार्म–7 के कथित दुरुपयोग को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि कथित तौर पर भाजपाई घपलेबाज खुद फार्म–7 छापकर और नकली हस्ताक्षर कराकर पीडीए समाज के मतदाताओं, विशेषकर अल्पसंख्यक समुदाय के वोट कटवाने की कोशिश कर रहे हैं। सोमवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए अखिलेश यादव ने इसे लोकतंत्र पर सीधा हमला बताते हुए कहा कि यह बात लगभग सभी को पता है, लेकिन भारत निर्वाचन आयोग की ओर से अब तक ठोस कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही है। उनका आरोप है कि बार–बार अपील के बावजूद एसआईआर प्रक्रिया में फार्म–7 से जुड़ी कथित धांधली रुक नहीं रही है। उन्होंने कहा कि फार्म–7 का गैरकघनूनी इस्तेमाल एक बड़ा अपराध है और चुनाव आयोग को चाहिए कि वह सार्वजनिक विज्ञापन जारी कर इसके दुरुपयोग पर होने वाली सजाओं की जानकारी दे, ताकि दोषियों और उनके सहयोगियों को स्पष्ट चेतावनी मिल सके। सपा प्रमुख ने यह भी कहा कि पार्टी के पीडीए–प्रहरी और जागरूक मतदाता अपने स्तर पर इस कथित फर्जीवाड़े का पर्दाफोड़ कर रहे हैं, लेकिन आयोग को भी अपनी विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए आगे आना चाहिए। अखिलेश यादव ने मीडिया से अपील करते हुए कहा कि चाहे वह गाँव–मोहल्ले का स्थानीय मंच हो या जिला–मंडल–राज्य स्तर का मीडिया, जो भी इस मुद्दे को उठाकर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की भूमिका निभा रहा है, समाजवादी पार्टी उसके साथ खड़ी है। उन्होंने इस ष्महा–घोटाले का भंडाफोड़ करने और तथ्यों को सामने लाने का आग्रह किया है।

इंटरमीडिएट के प्रैक्टिकल एग्जाम की बढ़ाई गई लास्ट डेट,स्कूलों के लिए जारी किया अल्टीमेटम

लखनऊ, संवाददाता)। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने वर्ष 2026 की इंटरमीडिएट प्रायोगिक परीक्षाओं को लेकर सोमवार को संशोधित आदेश जारी किया है। परिषद के सचिव भगवती सिंह ने जिला विद्यालय निरीक्षकों एवं प्रधानाचार्यों को निर्देश जारी कर 4 फरवरी तक इंटरमीडिएट की प्रयोगात्मक परीक्षाएं सम्पन्न कराने के निर्देश दिए हैं। सोमवार को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव भगवती सिंह के स्तर से जारी आदेश के मुताबिक प्रथम चरण की प्रायोगिक परीक्षाएं पहले 24 जनवरी से 1 फरवरी 2026 तक निर्धारित थीं, लेकिन 1 फरवरी को कुछ विद्यालयों में परीक्षाएं शेष रहने के कारण अब इसकी अंतिम तिथि बढ़ाकर 4 फरवरी 2026 कर दी गई है। सचिव ने अपने आदेश में कहा है कि जनपद स्तर पर सभी संबंधित परीक्षा केंद्रों पर यह सुनिश्चित किया जाए कि विस्तारित अवधि के भीतर प्रत्येक दशा में इंटरमीडिएट की प्रायोगिक परीक्षाएं पूर्ण करा ली जाएं। परिषद ने सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों, मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशकों, प्रधानाचार्योंऔर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने–अपने क्षेत्रों में समन्वय बनाकर समयसीमा के अंदर परीक्षाएं संपन्न कराएं।

अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं होगा, दोषियों पर निरंतर कड़ी कार्रवाई करें अधिकारी : मुख्यमंत्री

लखनऊ, संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि किसी की संपत्ति पर अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय की। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन में एक–एक कर सभी फरियादियों से मुलाकात की, उनके प्रार्थना पत्र लेकर समस्याओं के त्वरित व उचित निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों, राजस्व विभाग से जुड़े अधिकारियों और पुलिस प्रशासन को निर्देश दिया कि सभी मामलों को गंभीरता से लेते हुए लोगों की समस्याएं सुनें और जांच के बाद दोषियों पर कठोर कार्रवाई करें। श्जनता दर्शनश में पहुंची एक बच्ची ने मुख्यमंत्री को सलाम किया, जिस पर योगी आदित्यनाथ ने उसे आशीर्वाद देते हुए मन लगाकर पढ़ाई करने की सीख दी। श्जनता दर्शनश के दौरान अवैध कब्जे से जुड़े कई प्रकरण भी सामने आए। मुख्यमंत्री ने सभी फरियादियों की बातें सुनने के बाद संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने

जनपदों में तैनात अधिकारियों से भी कहा कि वे स्थानीय स्तर पर समस्याएं सुनकर पीड़ितों को न्याय दिलाएं और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें। जनता दर्शन में एक महिला अपने बच्चे के साथ पहुंचीं जिसने मुख्यमंत्री से बच्चे के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग की। इस पर मुख्यमंत्री ने तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का आदेश दिया। उन्होंने कहा धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकने दिया जाएगा।

केशव मौर्य का आवास घेरने पहुंचे शिक्षक अभ्यर्थी, पुलिस से भिड़े धक्का-मुक्की

लखनऊ, संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में 69 हजार शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थी पुलिस से भिड़ गए। जमकर नोकझोंक और धक्का–मुक्की हुई। इसके बाद पुलिसवालों ने हाथ–पैर पकड़कर अभ्यर्थियों को ठूस–ठूसकर भरा और इको गार्डन ले गई। करीब 50 अभ्यर्थी सोमवार सुबह 11 बजे डिप्टी सीएम का आवास घेरने के लिए सपा कार्यालय के बाहर जुटे। प्रदर्शनकारी 'मैं अभागा पिछड़ा, दलित हूं' और 'सुप्रीम कोर्ट जातिवादी है' जैसे स्लोगन लिखे बैनर ओढ़कर पहुंचे थे। जैसे ही प्रदर्शनकारी सपा कार्यालय से आगे बढ़े, पुलिस ने उन्हें रोक लिया। पुलिस पर उनके बैनर फाड़ने का आरोप लगाकर वे हंगामा करने लगे। पहले पुलिसवालों से हॉट टॉक हुई, फिर धक्का–मुक्की हो गई। करीब 20 मिनट तक हंगामा चला। हम रोज आएंगे, देखते हैं पुलिस कब तक रोकेगी। जब तक सांस रहेगी, तब तक लड़ाई लड़ेंगे। दो साल से संघर्ष कर रहे, लेकिन हम लोगों को कुछ नहीं मिला। अनुप्रिया पटेल और केशव मौर्य पिछड़ों के नाम पर कलंक हैं। उनके मुंह से हमारे लिए शब्द नहीं निकलते, वे सिर्फ अपनी कुर्सी बचा रहे हैं। अमरेंद्र ने कहा हम रोज आएंगे और एक–एक विधायक, नेता और मंत्रियों को घेरेंगे। ओम प्रकाश राजभर और स्वामी प्रसाद मौर्य दावा करते हैं कि वे पिछड़ों के सबसे बड़े नेता हैं। अगर पिछड़ी जाति से आने वाले बच्चे ऐसे मार खा रहे हैं, तो ये नेता–मंत्री पुलिस को आगे करके हम लोगों को पिटवा रहे हैं। अगर हमारे नेता मजबूती के साथ खड़े होते, तो अब तक नौकरी मिल जाती। अमित मौर्य ने कहा दो साल में कोर्ट में 30 से ज्यादा तारीखें लग चुकी हैं।

सरकार की तरफ से वकील ने सुप्रीम कोर्ट में ठीक से पैरवी नहीं की। हमें तारीख पर तारीख मिल रही है। एक तारीख में 10 लाख रुपए खर्च होते हैं। हम लोग किसान परिवार से आते हैं। अपना खेत–राशन बेचकर वकील की फीस देते हैं। अगर नौकरी नहीं मिली, तो इस सरकार को उखाड़ फेंकेंगे। देवरिया के धनंजय गुप्ता ने कहा 5 साल से हम लोग सड़कों पर हैं। कोई सुनने वाला नहीं है। जान दे दें, तब यह लोग सुनेंगे। केशव मौर्य का पार्टी में कोई सुन नहीं रहा, इस्तीफा दे दें। एक अन्य अभ्यर्थी ने कहा मैं अभागा, पिछड़ा–दलित हूं। सुप्रीम कोर्ट जातिवादी है। 15: सवर्णों के लिए सुप्रीम कोर्ट ने एक दिन में फैसला दे दिया। पिछड़ा–दलित 85: हैं, लेकिन उन्हें 10 महीने से कोई फैसला नहीं दिया गया। आरक्षित श्रेणी वाले अभ्यर्थियों का आरोप है कि इस भर्ती में ओबीसी को 27: की जगह सिर्फ 3.86: और एससी को 21: की जगह 16.2: आरक्षण मिला था। विवाद बढ़ने पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इनके 6800 पदों की चयन सूची को रद्द कर दिया था। पूरी चयन सूची को नियमानुसार, संशोधित करने का आदेश दिया था। फिर यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। जहां अभी सुनवाई चल रही है। ये अभ्यर्थी पुनर्मूल्यांकन और नई मेरिट लिस्ट की मांग करते हुए प्रदर्शन करते रहते हैं।

तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मारी ट्रक ड्राइवर की मौत

लखनऊ, संवाददाता)। राजधनी के बीबीडी थाना क्षेत्र में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से ट्रक चालक की मौत हो गई। रविवार रात ट्रक के पहिए में फंसी गिट्टी निकालने के दौरान हादसा हो गया। हेल्पर ने परिवार व पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने सोमवार को शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। छपरा सारण बिहार निवासी सुरेंद्र कुमार सिंह (38) ट्रक चलाते थे। रविवार को ट्रक लेकर कानपुर की तरफ जा रहे थे। तभी टायर से कुछ आवाज आने लगी। रात करीब 8.30 बीबीडी इलाके में स्थित नरेंदी गांव के पास किसान पथ पर ट्रक सड़क किनारे लगाकर देखने लगे। टायर में गिट्टी फंसी दिखाई दी। जिसे सुरेंद्र निकालने लगे। तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे दूर जाकर गिरे। सिर व शरीर में गंभीर चोट आई। अंधेरा होने के कारण हेल्पर टक्कर मारने वाले वाहन को पहचान नहीं सका। उसने पुलिस और परिवार को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सुरेंद्र को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। भाई वीरेंद्र ने बताया कि परिवार में पत्नी सोनी देवी है। घटना की जानकारी होने के बाद रो–रोकर बुरा हाल है। मामले में इंस्पेक्टर बीबीडी राम सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम करा दिया गया है। तहरीर मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सिंगापुर की कम्पनी एपी मोलर माएर्स्क के प्रमुख की सीएम से मुलाकात

यूपी में निवेश विस्तार को लेकर उत्साहित सिंगापुर की कम्पनी एपी मोलर माएर्स्
यूपी बन रहा विदेशी निवेशकों की पहली पसंद

लखनऊ, संवाददाता)। उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करने की दिशा में राज्य सरकार के प्रयासों को विदेशी निवेशकों से निरंतर समर्थन मिल रहा है। सिंगापुर की अग्रणी एकीकृत कंटेनर लॉजिस्टिक्स कंपनी एपी मोलर माएर्स्क के प्रबंध निदेशक रीन पील पेडरसन ने सोमवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट की। इस दौरान उत्तर प्रदेश में निवेश विस्तार को लेकर गहन चर्चा हुई। पेडरसन के साथ विवेक शर्मा, हेड बिजनेस डेवलपमेंट एवं रेगुलेटरी अफेयर्स भारत, बांग्लादेश एवं श्रीलंका क्षेत्र भी मौजूद रहे।बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश में निवेश की व्यापक संभावनाओं, उद्योगों के लिए अनुकूल कारोबारी माहौल तथा राज्य सरकार की निवेश प्रोत्साहन नीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश के सबसे तेजी से विकसित हो रहे राज्यों में शामिल है और यहां निवेशकों के लिए सुरक्षित, स्थिर और पारदर्शी वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है। सिंगल विंडो सिस्टम, त्वरित स्वीकृतियां, नीति आधारित प्रोत्साहन और मजबूत कानून व्यवस्था के माध्यम से सरकार निवेशकों को हर स्तर पर सहयोग दे रही है। एक्सप्रेसवे नेटवर्क, लॉजिस्टिक्स हब, औद्योगिक कॉरिडोर और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते उत्तर प्रदेश निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बन चुका है।

संक्षिप्त

मिसेज मोनिका गुप्ता नारी गौरव सम्मान से सम्मानित

लखनऊ, संवाददाता)। कल्यानी हेल्थ वेलफेयर सोसायटी द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में बालीवुड मिस्टर, मिस एवं मिसेज इण्डिया प्रतियोगिता में मिसेज कैटेगरी में प्रथम स्थान हासिल करने पर राजधानी की मोनिका गुप्ता को संस्था की तरफ से नारी गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सोसायटी की अध्यक्ष श्रीमती मीना भारती ने कहा कि यह सम्मान केवल मोनिका के लिए नही बल्कि पूरे नारी समाज, खास तौर से लखनऊ के लिए महत्वपूर्ण स्थान रखता है। सम्मान समारोह में सम्मान लेने के उपरान्त पत्रकारों से बातचीत में मोनिका गुप्ता ने कहा कि यह समय आधी आबादी के लिए स्वर्णिम युग से कम नही है। उन्होंने युवाओं से अपील की है कि वर्तमान समाज में प्रतिस्पर्धा सबसे महत्वपूर्ण है। सरकार द्वारा बालिका,महिलाओं के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं में षामिल होकर बहुत कुछ हासिल किया जा सकता है। पिछले कुछ समय से समाज में काफी तेजी से बदलाव आया है। अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी बालिका षिक्षा चरम पर है। आज बालिकाए एवं महिलाएं हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही है। हमें जो भी अवसर मिल रहे हैं उनका हमें हर स्तर पर समुचित उपयोग करते हुए अपने परिवार एवं समाज का नाम रोषन करना है। मुझे जो कुछ भी हासिल हुआ है यह एक लम्बे संघर्ष का प्रतिफल है। आने वाले समय में अगर सरकार, समाजिक संस्थाएं मुझे समाज के उत्थान के लिए कोई अवसर देती हैं तो मै उसका स्वागत करते हुए अपनी भूमिका का निर्वहन करूगी।उन्होंने अपनी इस उपलब्धि के लिए अपनें पति इंजीनियर राम बाबू और बेटी अदविता रमोनिका के असीम सहयोग के लिए पति , बेटी , और अपनी माता श्रीमती मीना गुप्ता जी का दिल से आभार भी जताया।

बजट पर इप्सेफ ने पीएम को वायदे याद दिलाए

लखनऊ, संवाददाता)। देश का पहला बजट है जिसमें देशभर के पास करोड़ कर्मचारी परिवार की अपेक्षा की गई है। प्रधानमंत्री जी का वादा था कि 1 जनवरी 2026 से आठवां वेतन आयोग लागू किया जाएगा, पेंशन में वांछित सुधार किया जाएगा, आउटसोर्स ,ठेका ,संविदा कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन सहित सभी सुविधाएं देने का निर्णय लिया जाएगा। इस तरह के वायदे कहा गए। इप्सेफ नेताओं ने केन्द्र सरकार को उसके याद दिलाए है। इंडियन पब्लिक सर्विस इंप्लाइज फेडरेशन इप्सेफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष वी पी मिश्रा एवं महासचिव प्रेमचन्द्र, उप महासचिव अतुल मिश्रा ने राष्ट्रीय बजट पर सभी राज्यों के कर्मचारी नेताओं ने प्रतिक्रिया जानी तो सभी ने इस बजट को कर्मचारी विरोधी बताया और इसके लिए एकजुट होकर कर्मचारी हित रक्षक आंदोलन करने की सलाह दी। इप्सेफ की बहुत जल्दी बैठक बुलाई जा रही है। जिसमें निर्णय लिया जाएगा। वी पी मिश्र ने खेद व्यक्त किया है कि माननीय प्रधानमंत्री जी को कई पत्र तथा आंदोलन के माध्यम से पुरानी पेंशन बहाली आठवीं वेतन आयोग को 1 जनवरी 2026 से लागू करने आउटसोर्सध्ठेका संविदा कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन ,सेवा सुरक्षा ,रिक्त पदों पर नियमित नियुक्तियों में वरीयता की मांग की थी। प्रधानमंत्री जी का सार्थक संदेश भी आया था परंतु बजट देखकर निराशा हुई है। उन्होंने कर्मचारियों की उपेक्षा के निर्णय पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है कि कर्मचारियों की पीड़ा को दूर करे ।

नगर निगम कार्मिकों ने बजट को निराशाजनक बताया

लखनऊ, संवाददाता)। नगर निगम कर्मचारी संघ लखनऊ ने नौवें बजट को सबसे निचले स्तर के कार्यदाई संस्थाओं के श्रमिकों,कर्मचारियों के लिए निराशा जनक बताया तथा उनके एवं उनके परिवार की सामाजिक सुरक्षा पर भी कुठाराघात की नीति का परिचायक बताया।कार्यदाई श्रमिकों को जीने लायक पारिश्रमिक, चिकित्सा उपचार तथा उनके परिवार की सामाजिक सुरक्षा, चिकित्सा एवं शिक्षा को भी नजर अंदाज किये पर चिंता व्यक्त की गई। नगर निगम कर्मचारी संघ लखनऊ पदाधिकारियों ने कहा कि नियमित शिक्षितध्पात्र चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की पदोन्नति, नियमित नियुक्त तथा वेतन पर भी वर्तमान परिवेश के अनुरूप कोई भी निर्णय नौवें बजट में न किये जाने पर भी उनके भविष्य को अंधकारमय हो जाएगा। पुरानी पेंशन को लेकर भी कोई निर्णय न होने पर भी निराशा व्यक्त की गई।सभी संवर्ग के कर्मचारियों की चिकित्सा सुविधा का भी सरलीकरण न किये जाने पर कार्यरत एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों की स्वस्थ्य जीवन पर भी विपरीत प्रभाव पड़ने पर चिंता व्यक्त की गई।

प्रधानमंत्री मोदी इसी माह कर सकते हैं नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि गौतमबुद्ध नगर जिले के जेवर स्थित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन संभवतः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसी माह कर सकते हैं। यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा, मारा हवाई अड्डा तैयार है। हवाई अड्डे के लाइसेंस से संबंधित औपचारिकताएं अंतिम चरण में हैं। मुझे विश्वास है कि इसी माह प्रधानमंत्री द्वारा हवाई अड्डे का उद्घाटन किया जाएगा। यह हवाई अड्डा राज्य का पांचवां अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा होगा। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत विकसित की जा रही एक श्ग्रीनफील्डश परियोजना है। लगभग 1,300 हेक्टेयर में फैली इस परियोजना का पहला चरण सितंबर 2024 में शुरू होना था, लेकिन काम पूरा नहीं होने के कारण ऐसा नहीं हो सका और कई बार इसकी समयसीमा बढ़ाई गई।

जश्न रियल्टी ने लखनऊ में 3,200 करोड़ के निवेश की घोषणा की, तेज डिलीवरी सर्वोच्च प्राथमिकता

लखनऊ, संवाददाता)। जश्न रियल्टी ने लखनऊ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की, जिसमें कंपनी के नेतृत्व ने आने वाले वर्षों के लिए अपनी महत्वाकांक्षी विकास योजना साझा की। मीडिया को संबोधित करते हुए राहुल अग्रवाल, प्रबंध निदेशक, जश्न रियल्टी, ने बताया कि कंपनी आगामी तीन वर्षों में रियल एस्टेट विकास क्षेत्र में लगभग 3,200 करोड़ का निवेश करने जा रही है। प्रेस वार्ता के दौरान श्री अग्रवाल ने कहा कि जशन रियल्टी की विस्तार रणनीति उच्च गुणवत्ता वाले आवासीय और मिक्स्ड–यूज प्रोजेक्ट्स पर केंद्रित होगी, जो लखनऊ जैसे टियर–II शहरों में बढ़ती मांग के अनुरूप हैं। उन्होंने शहर के तेजी से विकसित होते इंफ्रास्ट्रक्चर, बेहतर कनेक्टिविटी और बढ़ते निवेशकों के विश्वास को इस बड़े निवेश निर्णय के प्रमुख कारण बताया।

राहुल अग्रवाल ने यह भी स्पष्ट किया कि परियोजनाओं की तेज और समयबद्ध डिलीवरी कंपनी की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा,"समय से पहले और तेज डिलीवरी अब केवल एक अतिरिक्त सुविधा नहीं, बल्कि हमारी प्रतिबद्धता है। जशन रियल्टी में हम अपनी प्रक्रियाओं को सुदृढ़ कर रहे हैं, निष्पादन टीमों को मजबूत बना रहे हैं।

सम्पादकीय.......

यू.जी.सी. नियमों को लेकर हंगामे के पीछे क्या कोई गहरी साजिश है?

मुझे तो यू.जी.सी. के नए नियमों के पीछे गहरी देशी–विदेशी साजिश की बू आ रही है और एक भूल या जानबूझ कर की गई गलती का राजनीतिक फायदे के लिए शोषण किया जा रहा है। सबसे पहले तो सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार संसद द्वारा कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह की अध्यक्षता में बनाई गई कमेटी ही इस हंगामे के लिए मूलतरू जिम्मेदार है, जिसने शायद धतूरा खाकर वकील इंदिरा जयसिंह द्वारा तैयार रिपोर्ट को बिना किसी गंभीर विचार किए दस्तखत करके शिक्षा मंत्रालय को भेज दिया। ज्ञातव्य हो कि इस कमेटी में हर पार्टी के सांसद थे और आज राजनीतिक फायदे के लिए इस कमेटी के एक भी सदस्य ने सुझाए गए नियमों पर अपनी आपत्ति दर्ज नहीं कराई और अब इनकी पाध्टयां यू.जी.सी. नियमों के खिलाफ आंदोलन को हवा दे रही हैं। कमेटी की रिपोर्ट से भी ज्यादा मैं मानता हूं कि ज्यादा बड़ी गलती यू.जी.सी. चेयरमैन विनीत जोशी की है और उससे भी बड़ी गलती मानव संसाधन मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की है, जिन्होंने अपने मंत्रालय के मातहत काम करने वाले यू.जी.सी. को देश में चल रहे यू.जी.सी. नियमों के विरुद्ध आंदोलन का मौका दिया। कमेटी, यू.जी.सी. और मानव संसाधन मंत्रालय ने अक्षम्य अपराध किया है जिससे देश भर में जातियों के बीच टकराव पैदा हो गया है। हड़तालें हो रही हैं, बंद हो रहे हैं, छात्र सड़कों पर हैं, विभिन्न जातिवादी संगठन सड़कों पर हैं और राजनीतिक पाध्टयां तो रोटियां सेंक ही रही हैं। सरकार की गलती तो है ही लेकिन निष्क्रियता और स्तब्धता इस आंदोलन को और उग्र बना रही है। सर्वोच्च न्यायालय ने वीरवार को बहुत अच्छा निर्णय देते हुए यू.जी.सी. के नए नियमों पर स्थगनादेश देकर कहा कि पुराने नियम ही लागू रहेंगे और यू.जी.सी. एवं सरकार से इन नियमों के संदर्भ में सफाई मांगी है। इस विषय पर अगली सुनवाई सर्वोच्च न्यायालय में 19 मार्च तय कर दी गई है। इस निर्णय का शुरुआत में दोनों पक्षों ने हृदय से स्वागत किया, मिठाई भी बांटी गई लेकिन मुझे लगता है कि तुरंत ही राजनीतिक पाध्टयों ने सोचा कि मोदी सरकार को घेरने का बहुत बड़ा मौका हाथ से निकल रहा है और सर्वोच्च न्यायालय के संतुलित निर्णय के बावजूद विभिन्न कारणों से इस आंदोलन को जारी रखने का फैसला कर लिया। मुझे तो लग रहा है कि इस आंदोलन में अब विदेशी टूल किट की एंट्री हो गई है, भारतीय राजनीतिक पाध्टयां कितनी बार कह चुकी हैं कि भारत में भी सरकार बदलने के लिए बंगलादेश, नेपाल, श्रीलंका जैसा जेन–जी आंदोलन होगा और यू.जी.सी. के अनर्गल नियमों ने विपक्षियों को एक देश व्यापी आंदोलन का मौका दे दिया। जब विश्व भर में अस्थिरता चल रही है, भारत का दबदबा बढ़ रहा है, ऐसा कोई भी आंदोलन हमारी प्रगति और विकास को अवरुद्ध कर सकता है। सरकार को चाहिए कि तुरंत हस्तक्षेप कर इस आंदोलन को समाप्त करवाए, वरना आग लगवाने वाले इसे शांत नहीं होने देंगे और सरकार को अस्थिर करने के लिए अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकते रहेंगे और आंदोलन जारी रखवाने में ही अपना हित समझेंगे। देश से उन्हें कोई लेना–देना नहीं है, उन्हें तो येन–केन–प्रकारेण सत्ता चाहिए। सरकार को अपनी गंभीरता दिखाते हुए और इस आंदोलन को शांत करने के लिए विश्वास दिलाना चाहिए कि किसी भी जाति का कोई भी निर्दोष फंसाया नहीं जा सकता और दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। सर्वप्रथम नरेंद्र मोदी को यू.जी.सी. चेयरमैन विनीत जोशी और मानव संसाधन मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तुरंत प्रभाव से बर्खास्त कर देना चाहिए, जिनकी लापरवाही ने सरकार को अनचाही समस्या में डाल दिया है। इसके बाद सभी जातियों के प्रतिनिधियों की एक कमेटी बनाई जानी चाहिए, जो सुझाए कि कैसे किसी भी जाति का कोई निर्दोष फंसे नहीं, दोषी बचे नहीं। कमेटी के सुझाव निष्पक्ष और निरूस्वार्थ दिखने ही नहीं, होने भी चाहिएं। आंदोलनकारियों को भी सोचना चाहिए कि जब सर्वोच्च न्यायालय ने यू.जी.सी. के विवादास्पद नियम पर स्थगनादेश दे दिया है तब इस विषय का निस्तारण होने तक कोई भी आंदोलन राजनीति से ही प्रेरित है, जिसमें देशी–विदेशी ताकतों की साजिश दिखाई दे रही है। देश का हित सर्वोच्च होना चाहिए।

भाजपा कैसे कर रही हरियाणा से पंजाब के लिए अपनी रणनीति का पुनर्निर्माण

मोनिका मलिक

पंजाब में अगला विधानसभा चुनाव अभी दूर है लेकिन राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव आना शुरू हो गया है। विरोध प्रदर्शनों, कानून व्यवस्था पर बहसों और केंद्र–राज्य की खींचतान के बीच, भारतीय जनता पार्टी एक दूरदर्शी पार्टी के धैर्य के साथ चुपचाप अपनी पंजाब रणनीति को नए सिरे से तैयार कर रही है। इस पुनर्समायोजन के केंद्र में एक तेजी से उभरता हुआ और सावधानीपूर्वक स्थापित व्यक्तित्व है–हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी। एक सामान्य पर्यवेक्षक के लिए, पंजाब में सैनी की लगातार उपस्थिति सामान्य या प्रतीकात्मक प्रतीत हो सकती है। हालांकि, भाजपा की दीर्घकालिक रणनीति पर नजर रखने वाले राजनीतिक विश्लेषकों के लिए, यह पार्टी के पंजाब संबंधी दृष्टिकोण को नया रूप देने का एक सुनियोजित प्रयास है। पंजाब में भाजपा की वर्तमान हाशिए की स्थिति अक्सर उसके जटिल चुनावी सफर को छिपा देती है। 2007 और 2012 में, पार्टी शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की सहयोगी के रूप में सत्ता में मजबूती से स्थापित थी, महत्वपूर्ण विभागों पर उसका नियंत्रण था और अमृतसर, लुधियाना, जालंधर, पठानकोट और होशियारपुर जैसे शहरी, हिंदू बहुल निर्वाचन क्षेत्रों में उसका दबदबा था। शिअद का ग्रामीण सिख बहुल क्षेत्रों में दबदबा था। भाजपा ने सिख राजनीतिक नेतृत्व को चुनौती दिए बिना उसका समर्थन किया। 2022 के विधानसभा चुनावों से पहले गठबंधन का टूटना महंगा साबित हुआ। पंजाब लोक कांग्रेस और शिअद (संयुक्त) के साथ एन.डी.ए. गठबंधन में 73 सीटों पर चुनाव लड़ते हुए भाजपा को केवल 2 सीटें मिलीं। फिर भी, इस निराशाजनक परिणाम ने एक महत्वपूर्ण तथ्य को छिपा दिया, जिस पर पार्टी के रणनीतिकार लगातार जोर देते हैं। भाजपा का वोट शेयर बढ़कर 6.6 प्रतिशत हो गया, जो उसके पिछले अकेले चुनाव प्रदर्शन से 1.2 प्रतिशत अंक अधिक है। 2024 के लोकसभा चुनावों में यह रुझान और भी स्पष्ट हो गया। हालांकि भाजपा एक भी संसदीय सीट जीतने में असफल रही (2019 में 2 सीटों की तुलना में) लेकिन उसका वोट शेयर 9.63 प्रतिशत से बढ़कर 18.56 प्रतिशत हो गया, जो 5 वर्षों में लगभग 9 प्रतिशत अंकों की वृद्धि है। पार्टी तीन लोकसभा क्षेत्रों में दूसरे स्थान पर रही और 23 विधानसभा क्षेत्रों में आगे रही। केवल 2 विधायकों वाली पार्टी के लिए ये आंकड़े महत्वहीनता का संकेत नहीं हैं। ये भाजपा की उस समस्या को दर्शाते हैं, जिसे वह 'असंभावित वोट' मानती है–ऐसे वोट जिनमें सीटों में परिवर्तित होने की संगठनात्मक क्षमता नहीं है। इस अंतर को पाटने के लिए, निरंतर और सांस्कृतिक रूप से अनुकूलित जनसंपर्क के माध्यम से, नायब सिंह सैनी की भूमिका सामने आती है। भाजपा के लिए सैनी सिर्फ एक कैंपेनर नहीं, बल्कि एक रणनीतिक संपत्ति हैं। हरियाणा विधानसभा चुनावों के बाद उनका उदय हुआ, जिससे पार्टी के अंदर उनकी स्थिति मजबूत हुई है। हालांकि, पंजाब में उनकी प्रासंगिकता पहचान और छवि के मेल में है, जिसे भाजपा महत्वपूर्ण मानती है। वह सैनी समुदाय से हैं, जिसे अन्य पिछड़ा वर्ग (ओ.बी.सी.) में वर्गीकृत किया गया है। भाजपा एक व्यापक सामाजिक एकजुटता रणनीति के हिस्से के रूप में गैर–जाट ओ.बी.सी. समूहों को सक्रिय रूप से लुभा रही है। पंजाब में, हिंदू ओ.बी.सी. मतदाता एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, विशेषकर कुछ खास इलाकों में, जिससे यह पहुंच राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। भाजपा रणनीतिकारों द्वारा सैनी की व्यक्तिगत पृष्ठभूमि को भी समान रूप से उजागर किया गया है। उनकी मां सिख समुदाय से हैं, साथ ही पंजाबी सांस्कृतिक प्रतीकों को लगातार अपनाने पर भी जोर दिया गया है। पंजाब में पगड़ी पहनना, गुरुद्वारों का दौरा, पंजाबी बोलियों में सहजता, और सिख धार्मिक स्थलों के साथ स्पष्ट जुड़ाव को सिख और पंजाबी ड्क्षहदू दोनों समुदायों के बीच पुल के रूप में पेश किया जा रहा है। पंजाब में सैनी की गतिविधियां बेतरतीब नहीं रहीं। उनकी पहुंच हरियाणा से सटे सीमावर्ती और अर्ध–सीमावर्ती जिलों, जिनमें जीरकपुर, डेरा बस्सी, संगरूर और सुनाम शामिल हैं और दोआबा तथा पुआध क्षेत्रों के कुछ हिस्सों तक केंद्रित रही है। इन क्षेत्रों में उल्लेखनीय ओ.बी.सी. आबादी है और पड़ोसी हरियाणा के साथ लंबे समय से सामाजिक और सांस्कृतिक संबंध हैं।

पारंपरिक पोशाक में उनकी उपस्थिति, गुरुद्वारा कार्यक्रमों में भागीदारी और सिख धार्मिक समारोहों में उपस्थिति को सम्मान के संकेत के रूप में पेश किया जाता है। सांझा इतिहास और रिश्तेदारी के संदर्भ अक्सर पंजाब को 'बड़ा भाई' बताते हुए, राजनीतिक कड़वाहट को कम करने के लिए सावधानी से चुने जाते हैं। एस.वाई.एल. नहर या चंडीगढ़ की स्थिति जैसे संवेदनशील मुद्दों पर भी, सैनी का लहजा टकराव वाला नहीं, बल्कि सुलह वाला रहा है। भाजपा की पंजाब रणनीति हरियाणा में सैनी के शासन को दिखाने पर भी बहुत अधिक निर्भर करती है। हरियाणा सरकार का 1984 के सिख दंगों के पीड़ितों के परिवारों को नौकरी देने का फैसला, सिख गुरुओं की याद में लैजिस्लेटिव कार्यक्रम और लाडो लक्ष्मी योजना जैसी कल्याण योजना, जिसमें महिलाओं को हर महीने 2,100 रुपए देने का वादा किया गया है, इन्हें ठोस प्रशासनिक नतीजों के तौर पर पेश किया जा रहा है। पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने 2022 में महिलाओं को प्रति माह 1,000 रुपए देने का वादा किया था, जो अभी तक पूरा नहीं हुआ है। भाजपा 'कांग्रेस से आयात' की दिशा से आगे बढ़ रही रू आंतरिक रूप से, सैनी की प्रमुखता एक बदलाव का संकेत भी देती है। पिछले कुछ वर्षों में, भाजपा की पंजाब इकाई में उन नेताओं का दबदबा रहा है, जो कांग्रेस या सहयोगी दलों से आए थे–जैसे कैप्टन अमरिंदर सिंह और सुनील कुमार जाखड़। इसके विपरीत, सैनी पंजाब में बिना किसी पूर्वाग्रह या गुटबाजी के भाजपा के स्वदेशी नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनके उदय से पार्टी को आयातित नेताओं पर निर्भरता की बजाय एक स्वाभाविक नेतृत्व की छवि प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है। बहुत कम लोगों को उम्मीद है कि 2027 में भाजपा पंजाब में बहुमत हासिल कर पाएगी। ग्रामीण मालवा में संगठनात्मक कमियां अभी भी बनी हुई हैं और सिखों का राजनीतिक संशय भी कायम है। फिर भी, चुनाव समीकरणों को नया रूप देने का भी जरिया हैं। अगर भाजपा ओ.बी.सी. समर्थन को मजबूत कर पाती है, शहरी हिंदू वोट बैंक को बरकरार रख पाती है और दोआबा और सीमावर्ती इलाकों में विरोध को कम कर पाती है, तो वह एक महत्वपूर्ण तीसरी शक्ति के रूप में उभर सकती है। मामूली बढ़त भी पारंपरिक वोट बैंक को प्रभावित कर सकती है और गठबंधन के समीकरण को बदल सकती है। पंजाब में शॉर्टकट को शायद ही कभी बढ़ावा दिया गया है। भाजपा धैर्य की रणनीति अपना रही है, जहां सांस्कृतिक जुड़ाव महत्वाकांक्षा से पहले आता है और शासन की दिखावट बयानबाजी से पहले। इस ढांचे में, सैनी पार्टी के सबसे प्रमुख और सोच–समझकर इस्तेमाल किए गए हथियार के रूप में उभरे हैं।

धुंध के उस पार जीवन सुरक्षित बनाने की मुहिम आईआईटीएम पुणे

पुणे से संचालित एक विशेष वैज्ञानिक अभियान विंटर फॉग एक्सपेरिमेंट यानि वाईफैक्स जो कोहरे को केवल महसूस नहीं करता, बल्कि उसे मापता है, समझता है और पहले से भांपने की कोशिश करता है। विंटर फॉग एक्सपेरिमेंट जानने की कोशिश करता है कि कोहरा कैसे बनता है, कब सबसे घना होगा, कितनी देर टिकेगा और किस वक्त छंटेगा। यह अध्ययन सिर्फ मौसम वैज्ञानिकों तक सीमित नहीं है। यह उन पायलटों के लिए उपयोगी जानकारी है जिन्हें कम दृश्यता में उड़ान भरनी होती है। उन ट्रैफिक और आपदा प्रबंधन एजेंसियों के लिए अहम है, जिनके लिए एक गलत अनुमान बड़े हादसे में बदल सकता है और उन नीति–निर्माताओं के लिए जरूरी है जो खराब मौसम के प्रभाव को पहले से समझना चाहते हैं। इसी वैज्ञानिक सोच और दूरदृष्टि का केंद्र है, भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मीटिरियोलॉजी यानी आईआईटीएम), पुणे। हाल ही में पीआईबी चंडीगढ़ की महिला पत्रकारों का एक समूह पीआईबी पुणे और पीआईबी मुंबई के साथ आईआईटीएम के दौरे पर पहुंचा तो वाईफैक्स के अधिकारियों ने विस्तार से जानकारी दी। इस प्रयोग के जरिये कोहरे का 85 प्रतिशत तक सटीक पूर्वानुमान किया जाता है। दृश्यता यानि विजिबिलिटी की बेहतर जानकारी के जरिये हवाई और सड़क यातायात को राहत दी जा रही है। वाईफैक्स बीते कुछ सालों में बादल, बिजली और तूफान की भाषा बखूबी समझने लगा है। आईआईटीएम की स्थापना 17 नवंबर 1962 को पुणे के रामदुर्ग हाउस में हुई थी। शुरुआत में यह संस्थान भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अंतर्गत कार्य करता था और इसे विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) का सहयोग प्राप्त था। समय के साथ इसका स्वरूप बदला और 1971 में स्वायत्त दर्जा मिला। 1985 में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत था। 2006 से पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन है। आज आईआईटीएम भारत का प्रमुख राष्ट्रीय संस्थान है, जहां उष्णकटिबंधीय मौसम और जलवायु पर बुनियादी और अनुप्रयुक्त शोध किया जाता है। यानी महासागर, वायुमंडल,जलवायु प्रणाली पर मूलभूत शोध के जरिये मौसम और जलवायु पूर्वानुमानों को बेहतर बनाने का काम कर रहा है आईआईटीएम। यहां किया गया शोध केवल अकादमिक नहीं रहता, बल्कि उसका सीधा असर कृषि और जल प्रबंधन,आपदा चेतावनी प्रणाली,परिवहन और शहरी जीवन,आम नागरिकों की सुरक्षा पर दिखाई देता है। आईआईटीएम में इसके अलावा क्लाउड फिजिक्स एंड डायनामिक्स, तूफान (थंडरस्टॉर्म फॉरकास्टिंग), कृत्रिम वर्षा (क्लाउड सीडिंग) जैसे विषयों पर भी शोध होता है। यानी यह समझने की कोशिश की जाती है कि बादल कैसे बनते हैं, बिजली क्यों गिरती है और तूफान कैसे विकसित होते हैं। भारत में मौसम का मतलब मानसून है और आईआईटीएम में मानसून केवल एक मौसम नहीं, बल्कि लगातार अध्ययन का विषय है। यहां मानसून का अल्पकालिक पूर्वानुमान, मौसमी पूर्वानुमान, एक्सटेंडेड रेंज फोरकास्ट, मानसून की परिवर्तनशीलता और अनिश्चितता का अध्ययन कर सूचना आईएमडी को भेजी जाती है। कब बारिश शुरू होगी, कितनी होगी, सूखा पड़ेगा या बाढ़ आएगीकृइन सवालों के पीछे आईआईटीएम के वर्षों के डेटा और विश्लेषण हैं। आईआईटीएम में मौसम का अनुमान अनुभव से नहीं, बल्कि न्यूमेरिकल वेदर प्रिडिक्शन यानी एनडब्ल्यूपी से लगाया जाता है। इस खास प्रक्रिया में देश–दुनिया से मौसम का डेटा, डेटा असिमिलेशन, हाई–परफॉर्मेंस कंप्यूटर पर मॉडल रन करना, पूर्वानुमान और चेतावनी जारी करना शामिल जैसे कई चरण शामिल है। यही एनडब्ल्यूपी तकनीक चक्रवात, भारी बारिश और चरम मौसम की समय रहते जानकारी देती है। बढ़ते शहरी प्रदूषण को देखते हुए आईआईटीएम ने विकसित किया सफर (एसएएफएआर) सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फॉरकास्टिंग एंड रिसर्च। यह प्रणाली रियल–टाइम वायु गुणवत्ता डेटा निकालती है। प्रदूषण के स्वास्थ्य प्रभाव का अध्ययन करती है और प्रशासन और नीति–निर्माताओं को निर्णय में सहायता भी प्रदान करती है। आईआईटीएम की ताकत उसकी अत्याधुनिक सुविधाएं हैं–हाई–परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग सिस्टम,डॉप्लर रडार, एक्स बैंड राडार, सी बैंड राडार का बैंड राडार (एक्स,सी और के बैंड राडार), मोबाइल लिडार (एलआईडीएआर), विंड प्रोफाइलर, हाइपर स्पेक्ट्रल माइक्रोवेव रेडियोमीटर, हाइपर–स्पेक्ट्रल उपकरण, महाबलेश्वर स्थित हाई–एल्टीट्यूड ऑब्जर्वेटरी व स्थानीय शोध शामिल है। आईआईटीएम में जलवायु परिवर्तन, ग्रीनहाउस गैसों और महासागर–वायुमंडल अंतःक्रिया जैसे विषयों पर किया गया शोध पानी, खेती, स्वास्थ्य, संचार व आपदा प्रबंधन तक असर डालता है। 1962 में शुरू हुआ यह संस्थान आज उस मुकाम पर है,जहां मौसम की चुनौती को केवल स्वीकारा नहीं जाता, समझा जाता है, पढ़ा जाता है और संभाला जाता है। जब अगली बार घना कोहरा आपकी सुबह को रोक दे, या मानसून समय पर दस्तक दे या किसी चक्रवात से पहले चेतावनी मिले तो याद रखिए, पुणे में कहीं बैठा आईआईटीएम धुंध के उस पार देखकर आपके आज और आने वाले कल को सुरक्षित बनाने की कोशिश कर रहा है।

इतिहास का इतिहास

गाँधी जी जीवित होते तो आज 156 साल के होते। परसों उनकी पुण्यतिथि थी। वे बहुत गहराई से याद किए गए। उन्होंने विश्व इतिहास में हस्तक्षेप किया और काल की अखण्ड सत्ता को प्रभावित किया। काल है भी अखण्ड सत्ता। सारी घटनाएं समय के भीतर होती हैं। अथर्ववेद (19.53–54) में भृगु कहते हैं "काल–अश्व विश्व–रथ का संवाहक है। काल ही पिता है, वही आगे पुत्र होता है। काल में प्राण हैं, मन हैं, सारे नाम हैं, काल की अनुकूलता ही आनंद है। काल स्वयंभू है। काल के द्वारा ही भूत और भविष्य पैदा हुए हैं आदि आदि।" समय पकड़ में नहीं आता। घटनाएं घटती हैं, घटना अतीत है। अतीत की घटनाओं का यथातथ्य संकलन इतिहास है। प्राचीन राष्ट्र की घटनाएं करोड़ों की संख्या में होती हैं। भारत ऐसा ही राष्ट्र है। मूलभूत प्रश्न है कि घटनाओं के संकलन में संकलनकर्ता की रुचि क्या है? रुचि क्यों है? कुछेक विद्वान् युद्ध प्रिय होते हैं, वे युद्धों का इतिवृत्त संकलित करते हैं। कुछ विद्वान् प्रकृति प्रेमी होते हैं, वे प्राकृतिक परिवर्तनों के संकलन को इतिवृत्त का विषय बनाते हैं। मार्क्सवादी सोंच के विद्वान् उत्पादन पद्धति की विवरणी का संकलन करते हैं। इतिहास अतीत का दर्पण होता है लेकिन इतिहास लेखन या संकलन की कोई भी शैली प्राचीन समाज या राष्ट्र का सम्पूर्ण विवरण नहीं हो सकती। जैसे समुद्री लहरों की गणना असंभव होती है वैसे ही इतिहास संकलन का काम भी बड़ा जटिल है। इसलिए इतिहास का रूप, स्वरूप और इतिहास खोजना बहुत कठिन काम है।

भारत में 'इतिहास के इतिहास' पर बहसें चलती हैं। यूरोपीय विद्वान भारत पर इतिहास की उपेक्षा का आरोप लगाते हैं। मैक्समूलर ने लिखा, "हिन्दू दार्शनिकों की एक जाति थी। उनका संघर्ष विचारों का संघर्ष था। उनका अतीत सृष्टि की समस्या थी, उनका भविष्य अस्तित्व का प्रश्न था। यह कहना सही है कि विश्व के राजनैतिक इतिहास में भारत का कोई स्थान नहीं है।" मैक्समूलर को वैदिक और पौराणिक सहित प्राचीन इतिहास में राज्यव्यवस्था नहीं दिखाई पड़ती। एलफिन्सटन को सिकंदर के हमले के पूर्व किसी भी घटना का निश्चित समय नहीं दिखाई पड़ता। उन्होंने 1839 में लिखा, "भारतीय इतिहास में सिकंदर के आक्रमण के पूर्व किसी सार्वजनिक घटना की तिथि निश्चित नहीं की जा सकती है।" विटरनिट्ज यहां काव्य, नायकत्व और इतिहास का घालमेल देखते हैं। अलबेरूनी के आरोप ज्यादा सख्त है कि "हिन्दू चीजों (घटनाओं) के ऐतिहासिक क्रम पर अधिक ध्यान नहीं देते। वे अपने सम्राटों के काल क्रमानुसार उत्तराधिकार के वर्णन में लापरवाह है।" गांधी जी को यह सब खासा बुरा लगा था। राष्ट्रबोध की वास्तविक शर्त सच्चा इतिहास बोध है। गणित, ज्योतिष, चिकित्सा आदि के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियां विश्वख्यात थीं। भारत ने इतिहास संकलन की अपनी विशेष परम्परा विकसित की थी लेकिन यूरोपीय तर्ज के इतिहासविद् भारत को इतिहासविहीन बता रहे हैं। गांधी जी राजाओं के विवरण को सच्चा इतिहास नहीं मानते थे। उन्होंने हिन्द स्वराज में लिखा "इतिहास जिस अंग्रेजी शब्द (हिस्ट्री) का तरजुमा है और जिस शब्द का अर्थ बादशाहों या राजाओं की तवारीख होता है। हिस्ट्री में दुनिया के कोलाहल की ही कहानी मिलेगी। राजा लोग कैसे खेलते थे? कैसे खून करते थे? कैसे वैर करते थे, यह सब हिस्ट्री में मिलता है।" गांधी जी ने यूरोपीय इतिहास की अंतर्वस्तु को ठीक ही सिर्फ खूनखराबे का संग्रह बताया है। अतीत और वर्तमान दो नहीं हैं, वर्तमान अतीत का ही विस्तार है। अतीत निर्जीव सत्ता नहीं है, वर्तमान बीते प्राणवान समय का ही चेहरा है। इसलिए पुराने समय के पर्वत, वन उपवन, पशु, पक्षी और ग्रहदशा तथा गीत, नृत्य भी वर्तमान काल में किसी न किसी रूप में मौजूद रहते ही हैं। इतिहास और वर्तमान का सम्बंध अविच्छिन्न है। इतिहास में मनुष्य के कर्म अनुभव होते हैं। भूलें चूकें और जय पराजय होती हैं। मनुष्य उनसे सीखता है। वर्तमान की वस्तुनिष्ठ व्याख्या का उपकरण भी इतिहास ही है। इतिहास मनुष्य जीवन की प्रयोगशाला है। समाज इसी प्रयोगशाला के निष्कर्षो के अनुसार सही, गलत, करणीय या अकरणीय और अनुकरणीय कार्यो–विचारों की सूची बनाता हैं। इसलिए इतिहास संकलन का काम वैज्ञानिक जैसा है लेकिन दोनों के लक्ष्य में आधारभूत अन्तर हैं। विज्ञान प्रकृति का विश्लेषण करता है, उसके निष्कर्ष अंतिम नहीं होते। प्रकृति विराट है, यहां अनंत रहस्य हैं। विज्ञान द्वारा जाना गया कोई भी तथ्य सम्पूर्ण या अंतिम सत्य नहीं होता। इतिहास 'हो चुके' का विवरण है। अतीत में अब कुछ भी नया होने की संभावना नहीं है। जो हो गया, उसी का तथ्यगत संकलन इतिहास है।

गांधी जी इतिहास निर्माता थे लेकिन स्वयं एक अच्छे इतिहास लेखक भी थे। अनेक विद्वानों ने गांधी जी की लिखी "दक्षिण अफ्रीका के सत्याग्रह का इतिहास" पुस्तक की प्रशंसा की है। गांधी जी की इस किताब का पहला अध्याय है 'भूगोल'। इतिहास की घटनांए एक खास भू क्षेत्र पर घटित होती हैं। भू क्षेत्र का रूप स्वरूप स्थायी नहीं रहता। उत्पादन के साधनों में भी परिवर्तन होते हैं। इसलिए इतिहास के सम्यक् अध्ययन में भूगोल की महत्ता है। वैदिक कवि भी अपने परिवेश, नदियों, पर्वतों का दिल खोल कर वर्णन करते थे। साथ में तत्कालीन अर्थव्यवस्था का काव्य बिम्ब भी खींचते थे। गांधी जी ने भी दक्षिण अफ्रीका के तत्कालीन अर्थतंत्र का वर्णन किया–दक्षिण अफ्रीका के गाय और बैल हिन्दुस्तान के गाय–बैलों से से अधिक बड़े और मजबूत होते हैं।" दक्षिण अफ्रीका में अंगूर हैं, अन्य मीठे फल हैं आम भी हैं लेकिन गांधी जी के अनुसार आमों की गुठलियां हिन्दुस्तानी ही ले गये थे। गांधी जी ने इतिहास लेखन में भाषा को भी प्रमुख स्थान दिया है। मार्क्सवादी चिन्तक डॉ0 रामविलास शर्मा ने याद दिलाया है "जो लोग नस्लवादी दृष्टि से इतिहास लिखते हैं उनके लिए अफ्रीका का इतिहास काले आदमियों का इतिहास है। गांधी जी का दृष्टिकोण इससे भिन्न है। वह काले आदमियों में उनकी भाषाओं और जातियों की पहचान करते हैं।" अध्ययन के सभी विषयानुशासन मनुष्य के गढ़े हैं, मनुष्य के लिए हैं।

बेटी क्लिन संग पत्नी और न्यूबॉर्न ट्विन्स से मिलने अस्पताल पहुंचे राम चरण, शेयर की तीन बच्चों के पिता बनने की खुशी

> उन्होंने पोस्ट में लिखा- यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हमें एक बेटा और एक बेटी हुई है। दो बेटियों और एक बेटे का होना हमें बहुत खुशी देता है। हमारी जिंदगी की महिलाएं हमारी सबसे बड़ी ताकत रही हैं।

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार राम चरण और उनकी पत्नी उपासना कोनिडेला के घर फिर से बच्चों की किलकारी गूंजी है। कपल ने 31 जनवरी को जुड़वा बच्चों का स्वागत किया है और अब दोनों तीन बच्चों के पेरेंट्स बन गए हैं। इस गुड न्यूज के बाद फैंस और सेलेब्स की ओर से कपल को खूब बधाइयां मिल रही हैं। वहीं, जुड़वा बच्चों के जन्म के बाद राम चरण हैदराबाद में अपनी पत्नी और नवजात बच्चों से मिलने अस्पताल पहुंचे। इसी दौरान का उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि अस्पताल के बाहर भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे राम चरण को अंदर जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस दौरान एक्टर अपनी दो साल की बेटी क्लिन कारा को गोद में लिए नजर आ रहे हैं। वह अपनी पत्नी और नवजात बच्चों से मिलने के लिए अस्पताल के अंदर जाना चाहते हैं, लेकिन वहां मौजूद भीड़ उन्हें चारों ओर से घेर लेती है। भीड़ की वजह से हालात ऐसे बन जाते हैं कि राम चरण को अपनी बेटी की सुरक्षा के लिए लोगों को हटाना और धक्का देना पड़ता है। वीडियो में वह साफ तौर पर परेशान और चिंतित दिखाई दे रहे हैं। अस्पताल पहुंचने के बाद राम चरण ने खुद भी सोशल मीडिया के जरिए अपने जुड़वा बच्चों के जन्म की खुशी फैंस के साथ शेयर की। उन्होंने पोस्ट में लिखा– यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हमें एक बेटा और एक बेटी हुई है। दो बेटियों और एक बेटे का होना हमें बहुत खुशी देता है। हमारी जिंदगी की महिलाएं हमारी सबसे बड़ी ताकत रही हैं। मैं अपने सभी फैंस, परिवार और शुभचिंतकों का बहुत आभारी हूं जो हर पल हमारे साथ खड़े रहे और हमारा साथ दिया। बता दें, राम चरण और उपासना की प्रेम कहानी भी काफी खास रही है। दोनों ने लंबे समय तक एक–दूसरे को डेट करने के बाद 2011 में सगाई की थी। इसके एक साल बाद, 2012 में हैदराबाद में भव्य समारोह के साथ दोनों ने शादी कर ली। शादी के कई साल बाद, 2023 में उनके घर पहली बार किलकारियां गूंजी थीं, जब उनकी बेटी क्लिन कारा का जन्म हुआ। अब जुड़वा बच्चों के आगमन से राम चरण और उपासना का परिवार और भी बड़ा हो गया है।

फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के घर पर 4 राउंड फायरिंग

महाराष्ट्र के मुंबई में फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के घर के बाहर 4 राउंड फायरिंग हुई। घटना की खबर मिलने के बाद पुलिस और फोरेंसिक टीमें उनके घर पहुंचीं। रोहित शेट्टी मुंबई के जुहू इलाके में रहते हैं। उनके घर के पास बॉलीवुड की कई सेलिब्रिटीज के घर हैं। मुंबई पुलिस ने बताया कि ये घटना शनिवार रात करीब 3 बजे हुई। अज्ञात हमलावरों ने चार राउंड फायरिंग की। इसके बाद जुहू में रोहित शेट्टी के घर के आसपास सुरक्षा बल की तैनाती की गई है। पुलिस हमलावरों की पहचान करने के लिए हर एंगल से जांच कर रही है। हमले के पीछे का मकसद अभी पता नहीं चला है। मामले में अभी तक किसी ने भी जिम्मेदारी नहीं ली है। पुलिस ने रविवार दोपहर बताया कि इस मामले में पुणे के कारवेनगर और धायरी इलाकों से चार लोगों को हिरासत में लिया है। जांच जारी है। घटना के बाद, सबूत जुटाने के लिए फोरेंसिक विज्ञान और बैलिस्टिक्स विशेषज्ञों की टीम घटनास्थल पर पहुंची। इससे पहले कॉमेडियन और एक्टर कपिल शर्मा के कनाडा स्थित कैफे पर तीन बार फायरिंग हो चुकी है। पिछले साल जुलाई, अगस्त और अक्टूबर में उनके कैफे पर फायरिंग हुई थी। घटना की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली थी। गैंग की तरफ से उन्हें कई बार धमकी भी दी जा चुकी है।

तमन्ना भाटिया के स्टोर लॉन्च में पहुंचे आर्यन खान, सामंथा रुथप्रभू, सिद्धार्थ मल्होत्रा, पूजा हेगड़े समेत कई फिल्मी सितारों ने की शिरकत

पॉपुलर एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने बतौर एक्ट्रेस कामयाबी हासिल करने के बाद अब जूलरी बिजनेस में कदम रखा है। शनिवार को उन्होंने मुंबई के जुहू में फाइन जूलरी का तमन्ना स्टोर लॉन्च किया है। स्टोर लॉन्च इवेंट में फिल्म इंडस्ट्री के कई सेलेब्स ने शिरकत की। इस दौरान बैड्स ऑफ बॉलीवुड डायरेक्टर आर्यन खान भी तमन्ना को सपोर्ट करने पहुंचे हैं। तमन्ना भाटिया पेरेंट्स के साथ स्टोर लॉन्च इवेंट की होस्ट बनीं। उन्होंने व्हाइट फ्रिल ऑफ शोल्डर टॉप के साथ बैगी जींस पहना था। इस लुक को उन्होंने मैस्सी बन, पॉइंटेड सिल्वर हील्स और डायमंड जूलरी से कंप्लीट किया था।

चहल के साथ वाले एआई पोस्टर पर भड़कीं शेफाली बग्गा, कहा लड़कियों के साथ इस तरह बर्ताव करना बहुत ही घिनौना है

एक्स बिग बॉस कंटेस्टेंट और एंकर शेफाली बग्गा सोशल मीडिया पर वायरल उस तस्वीर को लेकर भड़क गईं, जिसमें एआई से बनाए गए पोस्टर में उनका नाम क्रिकेटर युजवेंद्र चहल के साथ जोड़ा गया। इन पोस्टर्स में चहल को उनकी एक्स वाइफ धनश्री वर्मा, कथित एक्स पार्टनर आरजे महवश और शेफाली बग्गा के साथ दिखाया गया। ये पोस्टर फिल्म "किस किसको प्यार करूं" के पोस्टर जैसे बनाए गए थे। इन पोस्टर्स पर रिएक्ट करते हुए शनिवार को शेफाली ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, "यह बहुत ही घिनौना है! जिस तरह ये ट्रोल्स लड़कियों के साथ बर्ताव करते हैं, वो बेहद शर्मनाक है। अपनी जिंदगी जियो। यह हमारी मेंटैलिटी का क्लासिक उदाहरण है।" बता दें कि ये एआई जनरेटेड पोस्टर्स ग्राफिक डिजाइनर विजय कुमार बारिया ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए थे, जिसके बाद ये तेजी से वायरल हो गए। इसको लेकर युजवेंद्र चहल ने भी रिएक्शन दिया, लेकिन उनका अंदाज थोड़ा मजाकिया था। उन्होंने कमेंट करते हुए लिखा,"2–3 रह गई हैं एडमिन, अगली बार अच्छे से रिसर्च करना।" बता दें कि शेफाली और चहल के रिश्ते की अफवाहें तब शुरू हुईं, जब दोनों को हाल ही में मुंबई के एक रेस्टोरेंट से साथ निकलते देखा गया। उनकी फोटो और वीडियो सामने आने के बाद गॉसिप पेजेस पर चर्चा तेज हो गई। हालांकि, दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की है। गौरतलब है कि युजवेंद्र चहल की प्राइवेट लाइफ पहले से ही सुर्खियों में रही है। धनश्री वर्मा से तलाक के बाद उनका नाम आरजे महवश से जुड़ा था, लेकिन हाल ही में दोनों ने इंस्टाग्राम पर एक–दूसरे को अनफॉलो कर दिया, जिससे उनके रिश्ते को लेकर भी अटकलें खत्म हो गईं।

प्यार, दोस्ती और परिवार नन्हे मेहमान के आने से पहले रणदीप हुड्डा की पत्नी लिन लैशराम ने दिखाई जनवरी की झलक

साल 2026 का पहला महीना यानी जनवरी विदा ले चुका है। आज 01 फरवरी से नए माह की शुरुआत हुई है। लिन लैशराम और रणदीप हुड्डा के लिए यह साल यूं भी खास होने वाला है, क्योंकि दो से तीन होने वाले हैं। आज रविवार को लिन लैशराम ने साल के पहले महीने की खूबसूरत फोटोज फैंस के साथ शेयर की हैं। लिन लैशरान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने तस्वीरों के जरिए बताया है कि जनवरी का महीना कितना खुशनुमा रहा है। साल का पहला महीना दोस्तों और परिवार के साथ मोहब्बत के साथ बीता। एक्ट्रेस ने अपने बेबी शॉवर की फोटोज भी शेयर की हैं। तस्वीरों के साथ लिन लैशराम ने कैप्शन लिखा है, जनवरी 2026 कुछ इस तरह बीता। प्यार, दोस्त और परिवार। तस्वीरों में आप भी देखिए झलक। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि लिन लैशराम प्रेग्नेंसी में अपनी सेहत का पूरा ख्याल रख रही हैं। लजीज और हेल्दी फूड के साथ–साथ वह वर्कआउट भी कर रही हैं। बता दें कि बीते वर्ष 29 नवंबर को रणदीप हुड्डा ने सोशल मीडिया पर वाइफ लिन की प्रेग्नेंसी की खुशखबरी शेयर करते हुए लिखा था, दो साल का प्यार, एडवेंचर और अब... एक छोटा सा बच्चा आने वाला है।श बता दें कि लिन और रणदीप हुड्डा ने साल 2023 में शादी रचाई थी। रणदीप हुड्डा की तरह लिन लैशराम भी अभिनय की दुनिया में सक्रिय हैं। लिन मूल रूप से मणिपुर की रहने वाली हैं। वे चर्चित मॉडल और अभिनेत्री हैं।

संक्षिप्त

बहिष्कार की नौटंकी करने वाले पाकिस्तान पर लगाम कसने की तैयारी! भुगतने पड़ सकते हैं गंभीर परिणाम

नई दिल्ली,एजेंसी। पाकिस्तान ने रविवार को भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप का मुकाबला खेलने से मना कर दिया। पाकिस्तान की सरकार ने राष्ट्रीय टीम को सात फरवरी से होने वाले इस वैश्विक टूर्नामेंट में खेलने की मंजूरी दी है, लेकिन भारत के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान बहिष्कार की नौटंकी कर रहा है, लेकिन उसे इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। पाकिस्तान सरकार ने एक्स पर लिखा था, पाकिस्तान क्रिकेट टीम 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाले मैच में मैदान पर नहीं उतरेगी। बयान में भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने की कोई वजह नहीं बताई गई। सरकार द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान के माध्यम से दिए गए इस निर्णय को बांग्लादेश को टूर्नामेंट से हटाए जाने से जुड़े एक राजनीतिक विरोध के रूप में देखा जा रहा है। क्रिकेट की वैश्विक संस्था ने बांग्लादेश के मैच भारत से श्रीलंका में स्थानांतरित करने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था। जिस कारण टीम को टूर्नामेंट से बाहर किया गया था। आईसीसी ने पाकिस्तान सरकार के इस फैसले पर सवाल उठाते हुए चेतावनी दी कि इस बहिष्कार के परिणामस्वरूप दंडात्मक प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। क्रिकेट की वैश्विक संस्था ने बयान में कहा, आईसीसी को उम्मीद है कि पीसीबी अपने देश में क्रिकेट पर पड़ने वाले महत्वपूर्ण और दीर्घकालिक प्रभावों पर विचार करेगा, क्योंकि इससे वैश्विक क्रिकेट व्यवस्था पर असर पड़ने की संभावना है जिसका वह स्वयं एक सदस्य और लाभार्थी है। आईसीसी राष्ट्रीय नीति के मामलों में सरकारों की भूमिका का सम्मान करती है, लेकिन यह निर्णय वैश्विक खेल या दुनिया भर के प्रशंसकों जिनमें पाकिस्तान के लाखों प्रशंसक भी शामिल हैं इनके कल्याण के हित में नहीं है।

लैटिन अमेरिका में बढ़ रहा चीनी सामानों का दबदबा

नई दिल्ली,एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति और भू–राजनीतिक कदमों के बाद चीन के निर्यातकों ने लैटिन अमेरिका को बड़ा बाजार बना लिया है। नतीजतन, क्षेत्र के देशों में सस्ती चीनी कारें, ई–कॉमर्स सामान, कपड़े और इलेक्ट्रॉनिक्स की बाढ़ आ गई है, जिससे स्थानीय उद्योगों और नौकरियों पर दबाव बढ़ रहा है। चीन की घरेलू मांग कमजोर है और कई उद्योगों में उत्पादन क्षमता बढ़ चुकी है। ऐसे में 60 करोड़ से अधिक आबादी और बढ़ते मध्यम वर्ग वाला लैटिन अमेरिका चीनी कंपनियों के लिए आकर्षक विकल्प बन गया है। पिछले साल अमेरिका को चीन का निर्यात करीब 20प्रतिशत घटा, जबकि लैटिन अमेरिका और अन्य क्षेत्रों को शिपमेंट बढ़ा। इंटर–अमेरिकन डायलॉग थिंक टैंक की एशिया–लैटिन अमेरिका प्रोग्राम निदेशक मार्गरेट मायर्स के अनुसार, लैटिन अमेरिका में क्रय शक्ति और वास्तविक मांग है, इसलिए चीन के लिए अतिरिक्त उत्पादन खपाने का यह सबसे आसान इलाका है। लैटिन अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए सस्ते चीनी सामान राहत हैं, लेकिन छोटे कारोबारियों के लिए चुनौती। चीनी प्लेटफॉर्म टेमू और शीन ने बाजार हिस्सेदारी तेजी से बढ़ाई है। सेंसर टॉवर के मुताबिक, 2025 की पहली छमाही में टेमू के लैटिन अमेरिका में औसत मासिक सक्रिय यूजर्स 11.4 करोड़ रहे एक साल में 165प्रतिशत की बढ़त। शीन के यूजर्स भी 18प्रतिशत बढ़े। मेक्सिको सिटी के डाउनटाउन में चीनी माल से भरी दुकानों की संख्या हाल के वर्षों में तीन गुना से ज्यादा बढ़ गई है। स्थानीय दुकानदार प्रतिस्पर्धा में टिकने के लिए जूझ रहे हैं। अर्जेंटीना में हालात ज्यादा गंभीर हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अक्तूबर में ई–कॉमर्स आयात (अधिकांश चीन से) 237प्रतिशत उछल गया। कपड़ा उद्योग से जुड़े संगठनों का कहना है कि रिकॉर्ड आयात के चलते फैक्ट्रियां कम क्षमता पर चल रही हैं और छंटनियां हो रही हैं। लैटिन अमेरिका के ऑटो हब मेक्सिको और ब्राजील में सस्ती चीनी कारों का दबाव बढ़ा है। बीवाईडी और जीडब्ल्यूएम जैसे ब्रांड तेजी से बाजार पकड़ रहे हैं। ब्राजील में 2024 में बिके ईवी का 80: से ज्यादा हिस्सा चीनी ब्रांड्स का था। वहीं मेक्सिको 6.25 लाख चीनी कारों के आयात के साथ सबसे बड़ा गंतव्य बन गया। यूबीएस के चीन ऑटो रिसर्च प्रमुख पॉल गोंग के मुताबिक, किफायती कीमतों और सरकारी समर्थन के कारण ईवी में चीन को स्पष्ट बढ़त है। हालांकि, दोनों देशों की अपनी मजबूत ऑटो इंडस्ट्री है और वे प्रतिस्पर्धा को लेकर सतर्क हैं। चीन को ब्राजील का लिथियम, चिली का तांबा और पेरू का फिशमील चाहिए, लेकिन कई देशों के साथ व्यापार घाटा बढ़ रहा है। मेक्सिको का चीन के साथ घाटा 2024 में 120 अरब डॉलर तक पहुंचा। अर्जेंटीना का घाटा 2025 में 8.2 अरब डॉलर रहा। ब्राजील और चिली को कुछ अधिशेष जरूर है, लेकिन कुल मिलाकर चीन से आयात तेज है। 2014–23 के दौरान चीन ने लैटिन अमेरिका और कैरेबियन में 153 अरब डॉलर के ऋण–अनुदान दिए अमेरिका से लगभग तीन गुना। पेरू का चांके मेगापोर्ट जैसे प्रोजेक्ट चीन की गहरी मौजूदगी दिखाते हैं।

एक बार फिर खिताब से चूके लक्ष्य सेन

– चीनी ताइपे के लिन चुन यी बने चौंपियन

प्रेट्र, बर्मिंघम। लक्ष्य सेन ने पूरा जुझारूपन दिखाया, लेकिन ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन खिताब के लिए भारत का 25 साल का इंतजार खत्म नहीं कर सके और पुरुष सिंगल्स के फाइनल में रविवार को चीनी ताइपे के लिन चुन यी से हार गए। चार साल पहले उपविजेता रहे लक्ष्य दूसरी बार ऑल इंग्लैंड फाइनल खेल रहे थे। अलमोड़ा के 24 वर्ष के इस खिलाड़ी को 57 मिनट तक चले मुकाबले में 15–21, 20–22 से पराजय झेलनी पड़ी। लिन ऑल इंग्लैंड पुरुष सिंगल्स खिताब जीतने वाले चीनी ताइपे के पहले खिलाड़ी बन गए।

भारत के लिए प्रकाश पादुकोण (1980) और पुलेला गोपीचंद (2001) ही ऑल इंग्लैंड पुरुष सिंगल्स का खिताब जीत सके हैं। प्रकाश नाथ (1947) और साइना नेहवाल (2015) भी करीब पहुंचे थे, लेकिन उपविजेता रहे। लक्ष्य ने फाइनल की राह में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी शि यू की और छठे नंबर के खिलाड़ी लि शि फेंग को हराया था। कनाडा के विक्टर लेइ के खिलाफ 97 मिनट तक चले सेमीफाइनल में उन्हें ऐंठन और पैर के छालों से भी जूझना पड़ा। रविवार को कोर्ट पर उतरने से पहले तक वह टूर्नामेंट के दौरान पांच घंटे और 16 मिनट कोर्ट पर बिता चुके थे जो लिन से डेढ घंटा अधिक था। इस थकान का असर उनके प्रदर्शन पर पड़ा। दोनों जांघ पर पट्टी बांधकर खेल रहे लक्ष्य ने धीमी शुरूआत की और 0–3 से पिछड़ गए। लिन ने काफी आक्रामक शुरुआत करके दमदार स्मैश लगाते हुए 6–2 से बढत बना ली। लक्ष्य ने स्कोर 7–8 किया लेकिन लिन ने लगातार बढत बनाए रखी। सीधे और क्रॉसकोर्ट स्मैश लगाने में माहिर लिन ने 18–13 की बढ़त कर ली।

46 शॉट की रैली ने खींचा आकर्षण

लक्ष्य ने लंबी रेलियों के साथ वापसी की कोशिश की, लेकिन लिन ने पहला गेम 24 मिनट में गंवा दिया। दूसरे गेम में भी यही कहानी रही। लिन की गलतियों का फायदा उठाकर लक्ष्य ने 7–4 से बढत बनाई जो 9–4 की हो गई। लक्ष्य ने ब्रेक के समय तक वापसी की कोशिश की और जल्दी ही स्कोर 14–14 हो गया। इसके बाद दोनों खिलाडिघ्यों के बीच 46 शॉट की रेली देखने को मिली। लक्ष्य ने 18–16 की बढ़त बनाई लेकिन लिन ने 18–18 से वापसी की और इसके बाद लक्ष्य को कोई मौका नहीं दिया।

अमेरिकी चेस खिलाड़ी को यौन शोषण के खिलाफ बोलने पर किया गया था जलील

– अब पोकर से करोड़ों रूपए जीतकर लिख रहीं किताब

नई दिल्ली। फरवरी 2023 में दो बार की अमेरिकी महिला चेस चौंपियन जेनिफर शहाडे ने एक ऐसा खुलासा किया, जिसने शतरंज की शांत और गंभीर मानी जाने वाली दुनिया में भूचाल ला दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर अब समय समाप्त लिखते हुए अमेरिकी चेस फेडरेशन के मशहूर ग्रैंडमास्टर और कोच एलेजांद्रो रामिरेज पर यौन शोषण के गंभीर आरोप लगाए। शहाडे ने बताया कि रामिरेज ने करीब एक दशक पहले उनका दो बार शारीरिक शोषण किया था। इस एक पोस्ट ने न सिर्फ शहाडे की जिंदगी बदल दी, बल्कि चेस की दुनिया में मी टू मूवमेंट की नींव रख दी। शहाडे की इस हिम्मत को देखकर शतरंज जगत की कई अन्य लड़कियां भी सामने आईं। जल्द ही आठ अन्य महिलाओं ने भी रामिरेज पर इसी तरह के आरोप लगाए, जिनमें से तीन तो घटना के वक्त नाबालिग थीं। इसके बाद श्वॉल स्ट्रीट जर्नलश ने एक विस्तृत रिपोर्ट छापी, जिसके दबाव में आकर रामिरेज को अपना कोचिंग का पद और यूएस चेस फेडरेशन से इस्तीफा देना पड़ा। शहाडे की इस पहल का असर दुनिया भर में दिखा।

फ्रांस में महिला खिलाड़ियों ने किए खुलासे

फ्रांस में100 से ज्यादा महिला खिलाड़ियों ने शोषण और लिंगभेद के खिलाफ ओपन लेटर लिखा। मैग्नस कार्लसन की बहन एलेन कार्लसन ने भी कहा कि शहाडे की पोस्ट के बाद वे अपने साथ हुए कथित उत्पीड़न की शिकायत दर्ज करा सकीं। हालांकि, शहाडे के लिए यह सच सामने लाना आसान नहीं था। उन्होंने बताया कि 2020 से 2022 के बीच यूएस फेडरेशन को रामिरेज के खिलाफ कई बार आगाह किया था, लेकिन उन्हें नजरअंदाज कर जलील किया गया। बाद में उन्हें फेडरेशन की तरफ से कानूनी नोटिस भी भेजा गया कि वे युवा खिलाड़ियों से संपर्क न करें। फेडरेशन के रवैये, धमकियों और अपनी साख पर उठते सवालों के कारण उन्होंने अंततः यूएस चेस छोड़ दिया। शतरंज में महिलाओं की भागीदारी हमेशा से कम रही है। अब भी क्लासिकल चेस खेलने वालों में सिर्फ 11: और ग्रैंडमास्टर्स में केवल 2: महिलाएं हैं। शहाडे मानती हैं कि महिलाओं को स्कूलों, समाज और यहां तक कि इंटरनेट के एल्गोरिदम द्वारा भी हतोत्साहित किया जाता है। जब वे सोशल मीडिया पर चेस के वीडियो डालती हैं, तो एल्गोरिदम उसे 95 से 99 प्रतिशत पुरुषों को ही दिखाता है, लड़कियों को नहीं।

पोकर से जीते करोड़ों रूपए

अब 45 वर्षीय शहाडे प्रतिस्पर्धी चेस से दूर हैं। वे पेशेवर पोकर और लेखन पर पूरा ध्यान दे रही हैं। उनकी नई किताब शथिंकिंग साइडवेजश रिलीज हुई है, जिसमें चेस और पोकर से मिली सीख का जिक्र है। इसी सीख का इस्तेमाल कर उन्होंने लास वेगास के एक बड़े पोकर टूर्नामेंट में हाल ही में करीब 2.4 करोड़ रुपए जीते हैं।

भारत से नहीं खेलने के पाकिस्तान के फैसले पर बीसीसीआई ने दी प्रतिक्रिया, शुक्ला बोले- हम आईसीसी से सहमत

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पाकिस्तान को लेकर प्रतिक्रिया दी है। पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ ग्रुप चरण का मैच खेलने से इनकार कर दिया है। इस मामले को लेकर आईसीसी ने भी हस्तक्षेप किया है और उसका कहना है कि वह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से आधिकारिक सूचना का इंतजार कर रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच 15 फरवरी को कोलंबो में मुकाबला खेला जाना है। भारत और पाकिस्तान के बीच ये मुकाबला श्रीलंका के कोलंबो में होना है। हालांकि, पाकिस्तान सरकार ने स्पष्ट किया है कि वह ग्रुप चरण के इस मैच का बहिष्कार करेगी। वहीं, भारतीय टीम ने आईसीसी के प्रोटोकॉल का पालन करने का फैसला किया है और वह इस मैच के लिए श्रीलंका जाएगी। सूत्रों के अनुसार, भारत इस मैच के लिए अभ्यास करेगा और प्रेस कॉन्फ्रेंस भी करेगा। टॉस के दौरान सूर्यकुमार यादव मैदान पर मौजूद रहेंगे और टीम इस बात का इंतजार करेगी कि मैच रेफरी मुकाबले को रद्द करें। पाकिस्तान के फैसले को लेकर बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, इस बारे में आईसीसी का बड़ा बयान आया है। उन्होंने खेल भावना को लेकर बात की है और हम इस संबंध में आईसीसी से पूरी तरह सहमत हैं। बीसीसीआई इस बारे में तब तक कोई टिप्पणी नहीं करेगा जब तक कि हम आईसीसी से बात नहीं कर लेते हैं। पाकिस्तान ने भले ही फैसला ले लिया है, लेकिन आईसीसी उसकी इस हरकत से खुश नहीं है। आईसीसी ने पाकिस्तान के रवैये पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि उसे अब तक पीसीबी की ओर से इस बारे में आधिकारिक तौर पर सूचित नहीं किया गया है। लेकिन आईसीसी टूर्नामेंट में चुनिंदा मैचों में हिस्सा लेना वैश्विक खेल इवेंट के लिए सही नहीं है जहां सभी क्वालिफाई करने वाली टीमें समान शर्तों पर खेलती हैं।

कौशल विकास के लिए सरकार ने खोला खजाना, बच्चे सीखेंगे कंटेंट बनाना

नई दिल्ली,एजेंसी। बजट में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। कौशल विकास के लिए सरकार ने खजाना खोल दिया है। इसके बजट में 62 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। युवाओं में उद्यमिता बढ़ाने और उभरते क्षेत्रों के लिए प्रशिक्षण का विस्तार करने की रणनीति पर भी जोर दिया गया है। उच्च शिशा और विशेषतौर पर स्टेम यानी विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित में बेटियों की भागीदारी को बढ़ाने और स्थायी करने के लिए देश के सभी 800 जिलों में उच्च शिक्षा संस्थानों से जुड़े महिला छात्रावास के निर्माण का प्रस्ताव किया गया है। इससे, दूरदराज व ग्रामीण इलाकों की बेटियों को सबसे अधिक लाभ होगा, जिन्हें रहने के लिए सुरक्षित जगह नहीं मिलने की वजह से बीच में ही पढ़ाई छोड़नी पड़ती है। इस बार स्कूल और उच्च शिक्षा बजट में 8.27 फीसदी और कौशल विकास के बजट में 62 फीसदी की वृद्धि की गई है। दोनों का समग्र बजट बढ़कर करीब 1.50 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। स्कूल व उच्च शिक्षा के लिए 1,39,289.48 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। इसमें स्कूल व साक्षरता विभाग को 83,562.26 करोड़ रुपये (6.35 फीसदी) और उच्च शिक्षा विभाग का 55,727.22 (11.28 फीसदी) करोड़ रुपये मिले हैं। कौशल विकास के लिए 9,885.80 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। पहली बार बजट में स्कूल स्तर पर ही छात्रों को शिक्षा, कौशल, साइंस, एआई व क्वांटम समेत उभरती तकनीक और प्रौद्योगिकी से जोड़ने और प्रशिक्षित कर उन्हें रोजगार के लिए तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। खगोल–भौतिकी और खगोल विज्ञान में छात्रों की रूचि बढ़ाने के लिए नेशनल लार्ज सोलर टेलिस्कोप, नेशनल लार्ज ऑप्टिकल इन्फ्रारेड टेलिस्कॉप, हिमालयन चंद्र टेलिस्कॉप और द कॉसमॉस–2 प्लेनेटोरियम जैसे बुनियादी सुविधा केंद्र खोले जाएंगे। देश में एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स यानी एवीजीसी क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है। देश की रचनात्मक अर्थव्यवस्था यानी ऑरेंज इकॉनमी को मजबूत करने के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीज (मुंबई) की मदद से देशभर के 15 हजार माध्यमिक स्कूलों और 500 कॉलेजों में एवीजीसी कंटेंट क्रिएटर लैब स्थापित की जाएंगी। इन लैब में छात्रों को एनीमेशन, डिजिटल कंटेंट, गेमिंग और अन्य रचनात्मक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण मिलेगा। इससे युवा कम उम्र में ही नए कौशल सीख सकेंगे और आगे चलकर रोजगार या स्टार्टअप शुरू करने के अवसर बढ़ेंगे। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक करीब 20 लाख पेशेवरों की जरूरत होगी। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने योजना बनाई है। युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए देश के पांच प्रमुख लॉजिटिक्स केंद्रों के आसपास विश्वविद्यालय टाउनशिप स्थापित किए जाएंगे। यहां पर आवासीय विश्वविद्यालय और कॉलेजों के अलावा शोध संस्थान, कौशल केंद्र बनाए जाएंगे। टीयर–2 और टीयर–3 शहरों के युवाओं को रोजगार से जोड़ने को सीए, सीएस और सीएमए संस्थान मदद करेंगे। शार्ट टर्म कोर्स और प्रैक्टिकल टूल्स की ट्रेनिंग से लघु उद्योगों को आगे बढ़ाने में मदद करेंगे। इन मान्यता प्राप्त पेशेवरों को कॉरपोरेट मित्र कैडर कहेंगे।

टी20 विश्व कप के अभ्यास मैचों के लिए भारत ए टीम घोषित, बदोनी करेंगे कप्तानीय तिलक–मयंक भी शामिल

नई दिल्ली,एजेंसी। टी20 विश्व कप के अभ्यास मैच के लिए भारत ए टीम घोषित हो गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अमेरिका और नामीबिया के खिलाफ दो अभ्यास मैचों के लिए सोमवार को टीम का एलान किया है। भारत ए टीम की कमान आयुष बदोनी करेंगे। दिलचस्प बात यह है कि चोट के कारण बाहर चल रहे तिलक वर्मा भी इस टीम में शामिल हैं। तिलक टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम का हिस्सा हैं। टी20 विश्व कप की शुरुआत सात फरवरी से हो रही है। इस टूर्नामेंट में 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं। भारत ने 2024 में दक्षिण अफ्रीका को हराकर खिताब अपने नाम किया था और सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली टीम इस वैश्विक टूर्नामेंट में खिताब का बचाव करने उतरेगी। बीसीसीआई ने टीम का एलान करते वक्त बताया कि तिलक वर्मा टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम से जुड़ने से पहले एक अभ्यास मैच का हिस्सा होंगे। तिलक के पेट की सर्जरी हुई थी जिस कारण वह न्यूजीलैंड के खिलाफ सीमित ओवर की सीरीज का हिस्सा नहीं थे। तिलक बंगलूरू स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में रिहैब कर रहे हैं और उम्मीद है कि वह जल्द ही टीम से जुड़ेंगे। अब तिलक का नाम भारत ए टीम में शामिल हो गया है जो इस बात के संकेत है कि वह टी20 विश्व कप तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे। आयुष बदोनी (कप्तान), नमन धीर, आशुतोष शर्मा, प्रियांश आर्या, एन जगीदशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, रियान पराग, मानव सुथार, अशोक शर्मा, उर्विल पटेल (विकेटकीपर), गुरजपनीत सिंह, विपराज निगम, रवि बिश्नोई, खलील अहमद, मयंक यादव।

ये हमारा फैसला नहीं, भारत के खिलाफ नहीं खेलने पर सलमान आगा की प्रतिक्रिया

कराची,एजेंसी। पाकिस्तान के टी20 कप्तान सलमान अली आगा ने भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप में नहीं खेलने पर प्रतिक्रिया दी है। पाकिस्तानी सरकार ने रविवार को कहा था कि उनकी राष्ट्रीय टीम इस वैश्विक टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी, लेकिन भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले मैच का बहिष्कार करेगी। विश्व कप की शुरुआत सात फरवरी से हो रही है और भारत–पाकिस्तान एक ही ग्रुप में शामिल हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच ये मुकाबला श्रीलंका के कोलंबो में होना है। हालांकि, पाकिस्तान सरकार ने स्पष्ट किया है कि वह ग्रुप चरण के इस मैच का बहिष्कार करेगी। वहीं, भारतीय टीम ने आईसीसी के प्रोटोकॉल का पालन करने का फैसला किया है और वह इस मैच के लिए श्रीलंका जाएगी। सूत्रों के अनुसार, भारत इस मैच के लिए अभ्यास करेगा और प्रेस कॉन्फ्रेंस भी करेगा। टॉस के दौरान सूर्यकुमार यादव मैदान पर मौजूद रहेंगे और टीम इस बात का इंतजार करेगी कि मैच रेफरी मुकाबले को रद्द करें। भारत के खिलाफ नहीं खेलने के फैसले पर आगा ने कहा कि खिलाड़ी इस बारे में निर्णय नहीं लेते हैं। उन्होंने कहा कि वह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और पाकिस्तान सरकार के निर्देश का पालन करेंगे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टी20 मैच के बाद आगा ने कहा, हम विश्व कप में खेलने जा रहे हैं। ये हमारा फैसला नहीं है और हम इसमें कुछ नहीं कर सकते। जो भी हमारी सरकार और पीसीबी प्रमुख कहेंगे, हम बस उसका पालन करेंगे।

रुक गई है बालों की ग्रोथ तो इस्तेमाल करें कलौंजी, तेजी से बढ़ने लगेंगे बाल

किचन में पाए जाने वाले मसाले सिर्फ स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि त्वचा और बालों के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होते हैं। उन्हीं मसालों में एक हैं कलौंजी। कलौंजी से तैयार किया गया तेल बालों में लगाने से कई हेयर प्रॉबलम्स से छुटकारा मिलता है। यह बालों की अच्छी ग्रोथ और मजबूती के लिए बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। तो चलिए आपको बताते हैं कि कैसे आप इसका बालों में इस्तेमाल कर सकते हैं...

बालों को करेगी काला

कलौंजी बालों को काला करने में भी मदद करती है। इसमें लिनोलेइक एसिड काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है जो बालों में ब्लैक पिगमेंट कोशिकाओं की कमी को रोकने में मदद करता है। नियमित रुप में कलौंजी का तेल बालों में इस्तेमाल करके आप सफेद बालों से राहत पा सकते हैं।

मॉइश्चराइजर के रुप में करेगी काम

अगर आपके बाल बहुत ही रुखे हैं तो आप कलौंजी का इस्तेमाल कर सकते हैं। नियमित कलौंजी या इससे बने तेल की मालिश करने से स्कैल्प में सीबम का उत्पादन अच्छे से हो पाता है। इसके अलावा कलौंजी के बीजों में फैटी एमिनो एसिड पाया जाता है जो बालों को सॉफ्ट बनाने में मदद करता है।

स्कैल्प हैल्थ के लिए फायदेमंद है कलौंजी

इसके बीजों में एंटीइंफ्लेमेटरी, एंटीफंगल, एंटीबैक्टीरियस, एंटीवायरल और एनाल्जेसिक गुण पाए जाते हैं जो बालों को फ्री रेडिकल्स से बचाने में मदद करते हैं। इसके अलावा यह फ्री रेडिकल्स आपके बालों के साथ–साथ स्कैल्प की रक्षा भी करते हैं। यदि आप स्कैल्प को हैल्दी बनाना चाहते हैं तो कलौंजी के तेल या बीज का इस्तेमाल कर सकते हैं।

बढ़ेगी बालों की ग्रोथ

कलौंजी का बीज या फिर तेल का इस्तेमाल आप बालों की अच्छी ग्रोथ के लिए कर सकते हैं। इसमें निगेलोन और थायमोक्विनोन नाम का पोषक तत्व होता है जो एक मजबूत एंटीहिस्टामाइन है यह बालों की ग्रोथ बढ़ाने में मदद करता है।

डैमेज होने से बचेंगे बाल

यदि गंदगी, प्रदूषण, सूरज के किरणें और किसी अन्य कारण से आपके बाल डैमेज हो रहे हैं तो आप कलौंजी के तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस तेल का इस्तेमाल करने से रुखे, बेजान और डैमेज बालों से आपको छुटकारा मिलेगा।

घर की पूर्व दिशा में रख लें ये चीजें, आशियाने में आएगी पॉजिटिव

वास्तु शास्त्र में दिशाओं का खास महत्व माना जाता है क्योंकि इस शास्त्र को दिशाओं का शास्त्र ही माना जाता है। हर दिशा का अलग–अलग महत्व बताया गया है। खासकर पूर्व दिशा को सूर्य देव की दिशा माना जाता है। सूर्य देव ज्ञान, बल, बुद्धि और जीवन में सफलता देते हैं। इसलिए इसे सबसे खास

माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, पूर्व दिशा में कुछ चीजें रखना बहुत ही शुभ माना जाता है। तो चलिए जानते हैं इस दिशा में कौन–सी चीजें रखना शुभ मानी जाती है...

सुगंधित पौधे

पूर्व दिशा में सुगंधित पौधे रखना भी शुभ माना जाता है। यह घर को महकाते हैं साथ में घर में पॉजिटिव एनर्जी का भी वास होता है। यदि आप इस दिशा में पौधों को जोड़े में लगाते हैं तो और भी फायदा होगा।

पेंटिंग

पूर्व दिशा की दीवार में दिन निकलने या फिर दूर से कोई सूरज डूबने की तस्वीर लगाना शुभ माना जाता है। इससे घर में पॉजिटिवटी आती है और बच्चे के विकास और करियर में ग्रोथ भी होती है।

खिड़कियां या दरवाजे

इस दिशा में खिड़कियां और दरवाजे बनाना भी शुभ माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, इससे घर में पॉजिटिविटी का संचार होता है। इसके अलावा इस दिशा में दरवाजे खिड़कियां होने से बच्चों का ज्ञान, बुद्धि और बल भी बढ़ता है।

पूर्व दिशा में बच्चों का स्टडी टेबल रखना बहुत ही शुभ माना जाता है। इस बात का ध्यान रखें कि टेबल को इस तरह रखें कि पढ़ाई करते हुए बच्चों का मुहं पूर्व दिशा में हो। इससे बच्चों का ज्ञान बढ़ेगा और उन्हें नए–ए आइडियाज भी मिलेंगे।

सॉफ्ट टॉयज से बच्चों को हो सकता है इन्फेक्शन! बरतें ये सावधानियां

आज सब टेडी डे मना रहे हैं और अपने चाहने वालों को टेडी दे रहे हैं जो कि एक सॉफ्ट टॉय है। सॉफ्ट टॉयज सब को पसंद होते हैं, महिलाओं तो क्या बच्चों को भी टेडी या कोई भी दूसरा सॉफ्ट टॉय बहुत ही अच्छे लगते हैं। कई बच्चों को सॉफ्ट टॉयज साथ में लेकर सोने की आदत होती है, तो कई बच्चे इसके बिना खाना तक नहीं खाते हैं। वे सॉफ्ट टॉयज को लेकर इतने संवेदनशील होते हैं कि उसे किसी के साथ शेयर करना उन्हें पसंद नहीं आता है। मगर क्या आप जानते हैं कि मखमल से मुलायम ये सॉफ्ट टॉयज बच्चों की सेहत के लिए कितने हानिकारक होते हैं? इन्हें समय–समय पर धोते रहना चाहिए। अन्यथा आपके बच्चों को रायनाइटिस की समस्या हो सकती है।

रायनाइटिस क्या है?

लगातार छीकें आना, नाक से पानी जैसा तरल पदार्थ का लगातार बहना, सिरदर्द होना और नाक, तालू में खुजली होना, ज्यादातर ये दिक्कतें रायनाइटिस के कारण होती हैं। रायनाइटिस की असली जड़ धूल–मिटटी है। मौसम में बदलाव के कारण रायनाइटिस हो सकता है। जिस तरह हम अपने कपड़े रोज साफ करते हैं, उसी तरह हमें बच्चों के सॉफ्ट टॉयज भी रोजाना धोने चाहिए। ऐसा नहीं करने पर बच्चों में रायनाइटिस की समस्या हो सकती है। दरअसल, गंदे सॉफ्ट टॉयर बच्चों के इम्यून को वीक कर देते हैं। जिसके चलते वे जल्दी–जल्दी इन्फेक्शन के चपेट में आ जाते हैं।

सॉफ्ट टॉयज से कैसे होता है इन्फेक्शन?

धूल–मिट्टी सबसे पहले उड़कर सॉफ्ट टॉयज में आकर जमा होती हैं। हम इसे रोज नहीं धोते हैं, जिसके कारण इनमें हानिकारक बैक्टीरिया जमा होते जाते हैं। जब बच्चा इन्हें साथ लेकर सोता है, तो सांस लेते समय यह बारीक कण उसके नाक में घुस जाते हैं। इसी से नाक में ब्लॉकेज हो जाती है।

सॉफ्ट टॉयज को कैसे रखें साफ?

अगर सॉफ्ट टॉयज मशीन से धुल सकते हैं, तो इन्हें सफ्ताह में एक बार जरूर धोइए और अच्छे से ड्राई भी कीजिए। सुखाने के लिए धुप में रखें।

यदि सॉफ्ट टॉयज मशीन में धुलकर खराब हो सकते हैं, तो इन्हें गरम पानी में डिटर्जेंट डालकर स्क्रब से साफ कीजिए।

वैक्युम या ड्राईक्लीन भी करवा सकते हैं।

यदि बच्चे को सॉफ्ट टॉयज लेकर सोने की आदत है, नींद लगते ही धीरे से टॉय को हटा दीजिए। बच्चे को एकाद सॉफ्ट टॉयज ही खेलने को दें। बाकी को आप अच्छे से पैक कर दें।

सॉफ्ट टॉय से ध्यान हटाने के लिए उसे दूसरी एक्टिविटीज में इन्वॉल्व कीजिए।

ग्लोइंग स्किन के लिए इन 5 तरीकों से इस्तेमाल करें खीरा

खीरे में पानी काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है यह स्वास्थ्य के साथ–साथ स्किन के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। इसका चेहरे पर इस्तेमाल करने से स्किन पर निखार आता है। इसके अलावा आप खीरे को मॉइश्चराइजर, क्लींजर के तौर पर भी चेहरे पर इस्तेमाल कर सकते हैं। कई लोग चेहरे पर घर में बना खीरे का फेस पैक भी त्वचा पर इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा भी आप खीरे को कई तरह से स्किन पर इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए जानते हैं ग्लोइंग स्किन के लिए आप खीरे का इस्तेमाल कैसे कर सकते हैं...

खीरे की स्लाइस

आप चेहरे की रंगत निखारने के लिए खीरे की स्लाइस का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह आपकी त्वचा को कूलिंग इफेक्ट देने में मदद करेगी। इसके अलावा खीरे से आपकी त्वचा रिलैक्स महसूस करेगी और तनाव भी दूर होगा। तनाव के कारण भी आपका चेहरा डल आने लगता है। ऐसे में आप चेहरे पर खीरे की स्लाइस रख सकते हैं।

खीरे का जूस

ग्लोइंग और निखरी त्वचा के लिए आप खीरे का जूस पी सकते हैं। रोज सुबह खाली पेट खीरे का जूस पीने से शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स पदार्थ बाहर निकलते हैं और स्किन पर ग्लो आने लगता है। इसके अलावा खीरा त्वचा को हाइड्रेटेड करने में भी मदद करता है।

फेस पैक

चेहरे के दाग–धब्बे, मुंहासे दूर करने के लिए आप खीरे से बना फेस पैक इस्तेमाल कर सकते हैं। इसकी तासीर ठंडी होती है जो चेहरे के मुहांसे दूर करने में मदद करता है। इससे स्किन को कूलिंग इफेक्ट मिलता है और स्किन पर निखार आता है। खीरे को कद्दूकस कर लें। फिर इसे अपने चेहरे पर लगाएं। 15–20 मिनट बाद अपनी त्वचा को सादे पानी से धो लें।

सलाद

खीरे के सलाद का सेवन करके आप ग्लोइंग और खूबसूरत स्किन पा सकते हैं। नियमित सलाद खाने से आपकी स्किन पर निखार आएगा और त्वचा मुलायम और चमकदार बनेगी। इसमें पानी काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है जो आपकी त्वचा को हाइड्रेटेड और मॉइश्चराइज करने में मदद करेगा।

रस

खीरे का रस आपकी स्किन को ग्लोइंग बनाने में इस्तेमाल करके स्किन को ग्लोइंग बना सकते हैं। खीरे को कद्दूकस करके रस निकाल लें। फिर इस रस को चेहरे पर लगाएं। 15 मिनट बाद चेहरा सादे पानी से धो लें। खीरे का रस लगाने से चेहरे पर निखार आएगा और त्वचा मुलायम बनेगी। इसके अलावा रुखी, ड्राई और बेजान त्वचा के लिए भी आप खीरे का रस चेहरे पर इस्तेमाल कर सकते हैं।

वैलेंटाइन डे पर इन 5 टिप्स से होगी त्वचा ग्लोइंग, नहीं हटेंगी पार्टनर की आपसे नजरें

वैलेंटाइन वीक चल रहा है और इस मौके पर बहुत से पुरुष किसी खास से अपनी दिल की बात कहते हैं। वहीं महिलाएं भी किसी खास को इम्प्रेस करने के लिए बहुत सारे ब्यूटी प्रोडक्ट्स ट्राई करती हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए हम आपको 5 ब्यूटी टिप्स देने जा रहे हैं जिन्हें आज ही से इस्तेमाल करना शुरू कर दें। वैलेंटाइन डे आने तक आपके चेहरा नेचुरली ग्लो करेगा। शायद मेकअप की भी जरूरत ना पड़े....

मलाई : बहुत से लोगों को मलाई का टेस्ट बिलकुल अच्छा नहीं लगता है, लेकिन वैलेंटाइन डे से पहले अगर आप सॉफ्ट, निखरी त्वचा पाना चाहती हैं तो इसे कम से कम चेहरे पर लगा लें। मलाई को चेहरे पर लगाने से दाग धब्बे दूर होते हैं, इसके ऑयल से चेहरे पर नमी आती है, स्किन सॉफ्ट बनती है और रंग भी साफ होता है।

ऐसे लगाएं– मलाई में जरा–सी हल्दी मिलाकर कॉटन बॉल या उंगली की मदद से पूरे चेहरे पर लगाएं। 10 मिनट रखें और फिर ताजे पानी से धो लें।

बेसन : बेसन, चंदन, हल्दी आदि के मिश्रण से एक फेस पैक तैयार करें और वैलेंटाइन से पहले कम से कम 2 बार इसका इस्तेमाल करें। आप चाहें तो रोजाना भी इसे चेहरे पर लगा सकती हैं। इस फेस पैक में इस्तेमाल होने वाली सभी चीजें नेचुरल हैं। इसलिए रोजाना भी इनके इस्तेमाल से साइड इफेक्ट नहीं होता। ये चीजें चेहरे पर नेचुरल ग्लो देती हैं।

गुलाब जल : वैलेंटाइन डे वाले दिन अगर आप इंस्टेंट निखार चाहती हैं तो उस दिन तैयार होने से पहले ये छोटा सा उपाय करें – 2 से 3 कॉटन बॉल्स को गुलाब जल में डूबोकर फ्रीज में रख दें।

ट्रंप बोले- ईरान से डील की उम्मीद, वरना सच साबित होगी खामेनेई की क्षेत्रीय युद्ध की चेतावनी

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि ईरान वाशिंगटन के साथ समझौता कर लेगा। ट्रंप ने यह बात फ्लोरिडा में अपने मार–ए–लागो आवास पर पत्रकारों से चर्चा के दौरान कही। उन्होंने साफ किया कि अमेरिका इस क्षेत्र में सैन्य टकराव के बजाय कूटनीतिक समाधान को प्राथमिकता दे रहा है। ट्रंप ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की उस चेतावनी पर भी प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका के साथ कोई भी संघर्ष क्षेत्रीय युद्ध में बदल जाएगा। ट्रंप ने कहा अमेरिका ने क्षेत्र में दुनिया के सबसे शक्तिशाली युद्धपोत और सैन्य संसाधन तैनात

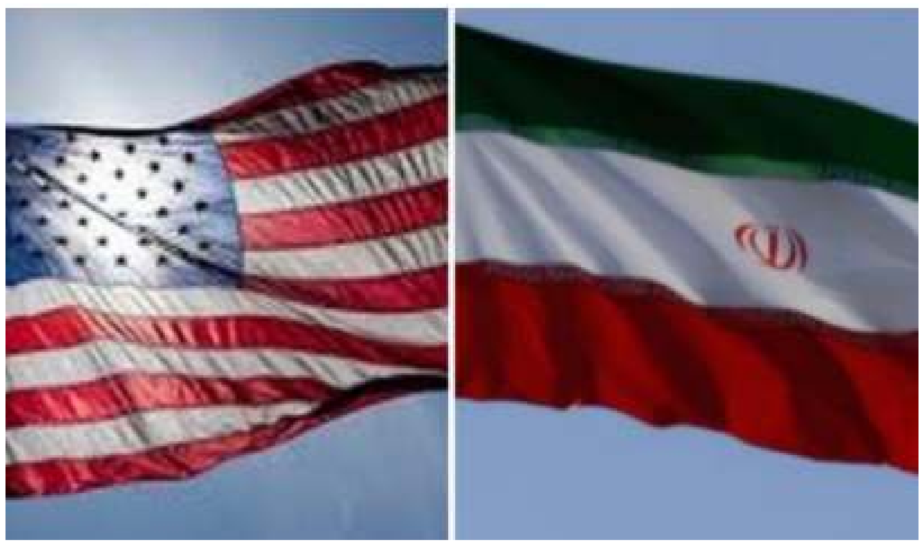

किए हैं। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर समझौता नहीं हो पाता है, तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि खामेनेई की चेतावनी कितनी सही थी। इससे पहले ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई ने सोशल मीडिया पर कई पोस्ट साझा कर अमेरिका को कड़े शब्दों में आगाह किया था। उन्होंने कहा कि अमेरिका को यह समझ लेना चाहिए कि कोई भी युद्ध केवल एक सीमा तक सीमित नहीं रहेगा। खामेनेई ने जोर देकर कहा कि ईरान युद्धपोतों या विमानों की ध् ामकियों से डरने वाला नहीं है। उन्होंने अमेरिका पर आरोप लगाया कि वह ईरान के तेल, गैस और समृद्ध खनिज संसाधनों पर फिर से नियंत्रण हासिल करना चाहता है। खामेनेई ने कहा कि ईरान खुद युद्ध की शुरुआत नहीं करेगा, लेकिन किसी भी हमले का करारा जवाब दिया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका दशकों पहले ईरान की राजनीति और सुरक्षा पर अपना कब्जा खो चुका है और अब वह वापसी का रास्ता तलाश रहा है। उनके अनुसार, ईरानी राष्ट्र अमेरिकी उत्पीड़न के खिलाफ मजबूती से खड़ा रहेगा। तनाव के इन हालातों के बीच ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली लारीजानी ने कुछ सकारात्मक संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ बातचीत के लिए जरूरी ढांचा तैयार किया जा रहा है और तैयारियां आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने मीडिया में चल रही युद्ध की सनसनीखेज खबरों को गलत बताया। फिलहाल, अमेरिकी नौसेना का एक विशाल बेड़ा ईरान की ओर बढ़ रहा है। ट्रंप ने संकेत दिया है कि ईरान संभावित सैन्य कार्रवाई से बचने के लिए बातचीत के लिए तैयार हो सकता है। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि परमाणु हथियारों पर चर्चा शुरू करने के लिए एक समय सीमा तय की गई है, हालांकि उन्होंने उस समय सीमा की जानकारी नहीं दी। अब पूरी दुनिया की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या दोनों देश बातचीत के जरिए इस संकट का समाधान निकाल पाएंगे।

संक्षिप्त

डिजिटल ठगी के खिलाफ चीन की सख्त कार्रवाई, म्यांमार स्कैम गिरोह के चार दोषियों को फांसी

ताइपे, एजेंसी। चीन ने म्यांमार में सक्रिय एक बड़े स्कैम नेटवर्क के खिलाफ सख्त कदम उठाया है। अधिकारियों ने सोमवार को जानकारी दी कि चीन ने चार लोगों को फांसी दे दी। इन लोगों को छह चीनी नागरिकों की हत्या और चार अरब डॉलर से ज्यादा का धोखाधड़ी और जुए का काला कारोबार चलाने का दोषी पाया गया था। दक्षिण चीन की शेनझेन इंटरमीडिएट पीपल्स कोर्ट ने सोमवार सुबह एक आधिकारिक बयान में फांसी की घोषणा की। हालांकि, बयान में यह नहीं बताया गया कि उन्हें फांसी कब दी गई। इससे पहले पिछले हफ्ते भी म्यांमार में स्कैम सेंटर चलाने के 11 अन्य लोगों को फांसी देने का एलान हुआ था। शेनझेन कोर्ट ने पिछले साल नवंबर में पांच लोगों को मौत की सजा सुनाई थी। इनमें कुख्यात बाई परिवार के सदस्य भी शामिल थे। यह परिवार स्कैम सेंटर और कसीनो का एक बड़ा नेटवर्क चलाने के लिए जाना जाता था। कोर्ट ने कहा, आरोपियों में से एक ग्रुप लीडर बाई सुओचेंग की सजा के बाद बीमारी से मौत हो गई। थी। इस गिरोह ने चीन की सीमा से सटे म्यांमार के कोकांग क्षेत्र में बड़े इंडस्ट्रियल पार्क बनाए थे। इन पार्कों से वे जुआ और टेलीकॉम स्कैम का धंधा करने का आरोप था। इन पर अपहरण, जबरन वसूली और ड्रग्स बनाने जैसे गंभीर आरोप भी थे। कोर्ट के मुताबिक, इन्होंने पीड़ितों से 29 अरब युआन की ठगी की। इनके अपराधों की वजह से छह चीनी नागरिकों की जान गई और कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए। कोर्ट ने अपने बयान में कहा कि इन लोगों के अपराध बहुत जघन्य थे। इनके कामों से समाज को बड़ा खतरा पैदा हुआ था। आरोपियों ने पहले इस फैसले के खिलाफ अपील की थी, लेकिन हाई कोर्ट ने उनकी दलीलें खारिज कर दीं।

पार्टी में नहीं गया, कुछ भी गलत नहीं किया, एपस्टीन फाइल में नाम आने पर मस्क ने तोड़ी चुप्पी

वॉशिंगटन, एजेंसी। 30 लाख से अधिक पन्ने, 2000 से ज्यादा वीडियो और करीब 180,000 फोटो के साथ जारी होने वाली एपस्टीन फाइल्स की खेप ने एक बार फिर सुर्खियां बटोरी है। यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के साथ अमेरिका के कई दिग्गजों के संबंध उजागर हुए हैं। जिसमें एलन मस्क का नाम भी शामिल है। जिस पर टेस्ला के मालिक और टेक इंडस्ट्री के सबसे दिग्गज अरबपति ने जेफरी एपस्टीन से किसी भी तरह के रिश्ते से साफ इनकार किया है। एलन मस्क ने बहुचर्चित एपस्टीन फाइल्स में नाम आने के बाद अपनी सफाई दी है। उन्होंने कहा कि वो कभी जेफरी एपस्टीन की पार्टियों में नहीं गए और ना उनका कोई संबंध है। सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट के जरिए मस्क ने चुप्पी तोड़ते हुए अपनी बात रखी। सोमवार को किए अपने पोस्ट में मस्क ने कहा कि वह कभी भी एपस्टीन के प्राइवेट द्वीप पर नहीं गए, न ही उनके लोलिता एक्सप्रेस विमान में सफर किया और न ही उनकी पार्टियों में शामिल हुए।

इस्राइल ने संघर्षविराम के तहत राफाह बॉर्डर को आंशिक रूप से खोला, गाजा में ड्रोन से हमले जारी

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल ने रविवार को गाजा और मिस्र के बीच स्थित राफाह बॉर्डर क्रॉसिंग को आंशिक रूप से फिर से खोलने का एलान किया है। यह क्रॉसिंग फिलहाल ट्रायल आधार पर खोली गई है और सिर्फ सीमित संख्या में गाजा के लोगों की आवाजाही की अनुमति दी जा रही है। मई पिछले साल के बाद यह पहला मौका है जब राफाह क्रॉसिंग को आंशिक रूप से खोला गया है। इस्राइल की सैन्य एजेंसी सीओजीएटी के अनुसार, यह फैसला संघर्षविराम समझौते के तहत लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार से कुछ लोग इस रास्ते से आना–जाना शुरू कर सकते हैं। इसके लिए एक नई जांच (स्क्रीनिंग) सुविधा भी तैयार की गई है, जहां से गुजरने वाले लोगों की जांच होगी। गाजा के सरकारी मीडिया कार्यालय ने कहा कि युद्ध के दौरान विस्थापित हुए हजारों फलस्तीनी इस फैसले का इंतजार कर रहे थे। मीडिया कार्यालय के प्रमुख इस्माइल अल–थवाब्ता के मुताबिक, करीब 80,000 फलस्तीनी ऐसे हैं जो युद्ध के समय गाजा छोड़ गए थे और अब वापस लौटना चाहते हैं। इस बीच, इस्राइल ने डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (एमएसएफ) को गाजा में काम करने से रोकने का फैसला भी किया है। इस्राइल का कहना है कि एमएसएफ ने अपने फलस्तीनी कर्मचारियों की पूरी जानकारी नहीं दी। यह नियम सभी मानवीय संगठनों पर लागू किया गया है। इस फैसले की संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार संगठनों ने आलोचना की है। वहीं दूसरी ओर, गाजा में सैन्य कार्रवाई जारी है।

39 वर्षीय महिला फर्नांडीज राष्ट्रपति की दौड़ में आगे, मतगणना में मिली बढ़त

एजेंसी/कोस्टा रिका के राष्ट्रपति चुनाव में दक्षिणपंथी कानून–व्यवस्था समर्थक उम्मीदवार लौरा फर्नांडीज ने शुरुआती दौर में मजबूत बढ़त हासिल कर ली है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, शुरुआत परिणामों के मुताबिक, प्रारंभिक मतगणना के आधार पर रविवार देर रात तक 31 प्रतिशत मतदान केंद्रों से प्राप्त मतों की गिनती से पता चला कि सत्तारूढ़ सॉवरेन पीपुल्स पार्टी (पीपीएसओ) की फर्नांडीज ने 53.01 प्रतिशत वोट हासिल किए हैं, जिससे वह शुरुआती दौड़ में आराम से आगे चल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, दूसरे स्थान पर मध्य–वामपंथी नेशनल लिबरेशन पार्टी के अल्वारो रामोस 30.05 प्रतिशत वोटों के साथ रहे। वहीं, पूर्व प्रथम महिला क्लाउडिया डोबल्स 3.9 प्रतिशत वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। इन आंकड़ों के साथ, फर्नांडीज को अब स्पष्ट जीत

हासिल करने और 5 अप्रैल को होने वाले दूसरे दौर के चुनाव से बचने के लिए कम से कम 40 प्रतिशत वोटों की आवश्यकता है। उनकी लोकप्रियता में यह उछाल ऐसे समय आया है जब 39 वर्षीय राजनेता मौजूदा राष्ट्रपति रोड्रिगो चावेस के चुने हुए उत्तराधिकारी के रूप में चुनाव प्रचार कर रही हैं। उनके कड़े सुरक्षा एजेंडे को आगे बढ़ाने का वादा कर रही हैं। हाल के वर्षों में परंपरागत रूप से शांतिपूर्ण रहे मध्य अमेरिकी देश में अपराध में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा कई मतदाताओं के लिए एक निर्णायक मुद्दा बन गई है। अल जजीरा के अनुसार, जहां कुछ लोग हिंसा पर अंकुश लगाने में विफल रहने के लिए चावेज प्रशासन को दोषी ठहराते हैं। वहीं अन्य लोग उनके टकरावपूर्ण दृष्टिकोण को व्यवस्था बहाल करने का सबसे मजबूत विकल्प मानते हैं। फर्नांडीज ने खुद को चावेस के साथ घनिष्ठ रूप से जोड़ लिया है, क्योंकि उन्होंने पहले उनकी राष्ट्रीय योजना और आर्थिक नीति मंत्री के रूप में और बाद में राष्ट्रपति पद की मंत्री के रूप में कार्य किया है। राष्ट्रपति चुनाव के साथ–साथ, कोस्टा रिका के लोगों ने 57 सीटों वाली राष्ट्रीय सभा के सदस्यों का भी चुनाव किया। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, चावेज की पार्टी को बढ़त मिलने की उम्मीद है, हालांकि हो सकता है कि उसे चावेज और फर्नांडीज द्वारा अपेक्षित बहुमत न मिले, जिससे उनके गुट को अन्य शक्तियों के साथ–साथ सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति करने का अधिकार मिल जाएगा।

अगर 20 उम्मीदवारों ने चुनाव में भाग लिया, लेकिन प्रारंभिक और आंशिक परिणामों से पता चला कि फर्नांडीज और रामोस के अलावा कोई भी उम्मीदवार 5 प्रतिशत का आंकड़ा पार नहीं कर सका।

भारतीय वैज्ञानिक रामनाथन को मिलेगा क्रैफोर्ड प्राइज, जानिए उपलब्धि

वॉशिंगटन, एजेंसी। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने भारतीय मूल के जलवायु वैज्ञानिक वीरभद्रन रामनाथन को 2026 के क्रैफोर्ड पुरस्कार के लिए चुना है। इस सम्मान को जियोसाइंसेज का नोबेल भी कहा जाता हैं। रामनाथन को यह पुरस्कार प्रदूषण फैलाने वाले तत्वों और वायुमंडल के श्ब्राउन क्लाउड्सश पर उनके दशकों पुराने शोध के लिए मिला है। उनके काम ने ग्लोबल वार्मिंग को समझने का नजरिया बदल दिया है। 82 साल के रामनाथन ने 1975 में नासा में काम करते हुए एक बड़ी खोज की थी। रामनाथन ने रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज को बताया कि 1975 तक, हम सोचते थे कि ग्लोबल वार्मिंग मुख्य रूप से ब्2 से होती है, लेकिन रेफ्रिजरेटर और एयरोसोल में इस्तेमाल होने वाली क्लोरोफ्लोरोकार्बन (ब्थ्ब्े) गैसें कार्बन डाइऑक्साइड के मुकाबले 10,000 गुना ज्यादा प्रभावी ढंग से ऊष्मा को अवशोषित करते हैं। इस खोज से पहले लोग मानते थे कि ग्लोबल वार्मिंग सिर्फ कार्बन डाइऑक्साइड से होती है। रामनाथन का जन्म मदुरै में हुआ और उनकी पढ़ाई चेन्नई में हुई। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत सिकंदराबाद की एक फ्रिज फैक्ट्री में इंजीनियर के रूप में की थी। यहीं उन्होंने पहली बार इन गैसों पर काम किया। बाद में उन्होंने अन्नामलाई यूनिवर्सिटी और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस से डिग्री हासिल की। उन्होंने श्इंडियन ओशन एक्सपेरिमेंटश के जरिए दक्षिण एशिया के ऊपर प्रदूषण की काली परतों (ब्राउन क्लाउड्स) की पहचान की। उनकी इस स्टडी ने वायु प्रदूषण को कमजोर भारतीय मानसून और हिमालय के ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने से जोड़ा। फिलहाल वह कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर दुनिया के बड़े नेताओं और वेटिकन को भी सलाह दी है। उनके शोध ने श्मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉलश जैसी अंतरराष्ट्रीय संधियों को मजबूत बनाया, जिससे पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गैसों पर रोक लगी। इस पुरस्कार में उन्हें स्वर्ण पदक और करीब नौ लाख डॉलर (आठ मिलियन स्वीडिश क्रोनर) की राशि मिलेगी। यह सम्मान मई 2026 में स्टॉकहोम में एक समारोह में दिया जाएगा।

बलूचिस्तान में हिंसा तेजय महिला फिदायीन हमले में पाकिस्तानी सेना-पुलिस के 200 जवान हताहत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में अलगाववादी संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने दावा किया है कि उसका एक बड़ा सैन्य अभियान श्ऑपरेशन हीरोफ फेज–प्प्श 40 घंटे से ज्यादा समय तक चला। इस दौरान कई जिलों में हमले किए गए और पाकिस्तानी सुरक्षा बलों को भारी नुकसान पहुंचाया गया। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के प्रवक्ता जीयंद बलोच के मुताबिक, इस ऑपरेशन में पाकिस्तानी सेना, पुलिस और फ्रंटियर कोर के 200 से ज्यादा जवान मारे गए हैं। जबकि 17 लोगों को पकड़ा गया हैं। उन्होंने आगे बताया कि बीएलए की तरफ से करान, मस्तुंग, तुंप और पसनी जैसे इलाकों में अभियान पूरा किया गया, इसके साथ ही क्वेटा और नोश्की के कुछ हिस्सों में पाकिस्तानी सेना को पीछे धकेला गया है। हालांकि, इन दावों की पुष्टि नहीं हो सकी है। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने कहा कि बलोचों के हमलों में 17 सुरक्षाकर्मी और 31 आम नागरिक मारे गए हैं। वहीं पाकिस्तानी सेना के अनुसार, शुक्रवार को 41 और शनिवार को 92 उग्रवादी मारे गए हैं। इस अभियान की सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि महिला फिदायीन (आत्मघाती हमलावर) भी शामिल थीं। आसिफा मेंगल ने नोश्की में इंटर–सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) मुख्यालय को निशाना बनाकर कार बम से हमला किया। जानकारी के मुताबिक, वह मजीद ब्रिगेड की सदस्य थीं और 2023 में संगठन में शामिल हुई थीं, जबकि ग्वादर फ्रंट पर हवा बलोच नाम की महिला फिदायीन भी मारी गई।

वहीं पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी पुष्टि की कि कम से कम दो हमलों में महिलाएं शामिल थीं। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने माना कि इस ऑपरेशन में उसके भी 18 लड़ाके मारे गए, जिनमें 11 मजीद ब्रिगेड के फिदायीन और चार फतेह स्क्वाड के साथ–साथ तीन STOS यूनिट के सदस्य शामिल थे। वहीं बीएलए ने दावा किया कि उसने नोश्की के डिप्टी कमिश्नर और असिस्टेंट कमिश्नर को हिरासत में लेने के बाद श्मानवीय आधारश पर छोड़ दिया।

भरोसा टूटा, लेकिन बातचीत संभव, अमेरिका को ईरान की दो टूक- युद्ध नहीं चाहते, पर तैयार हैं

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि अमेरिका अब ईरान के लिए एक भरोसेमंद बातचीत करने वाला साझेदार नहीं रहा। फिर भी, ईरान अमेरिका के साथ

न्यायपूर्ण और संतुलित समझौता करना चाहता है, खासकर परमाणु हथियारों के मुद्दे पर। एक न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में अब्बास अराघची ने साफ कहा कि ईरान युद्ध नहीं चाहता, लेकिन उसे गलत जानकारी और गलत आकलन के आधार पर किसी सैन्य कार्रवाई की चिंता है। उन्होंने इशारों में कहा कि कुछ ताकतें डोनाल्ड ट्रंप को युद्ध की ओर धकेलना चाहती हैं, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि ट्रंप सही फैसला लेंगे। ईरान का कहना है कि अमेरिका के साथ बातचीत में भरोसा टूट चुका है। हालांकि, कुछ क्षेत्रीय दोस्त देश दोनों के बीच भरोसा बहाल कराने की कोशिश कर रहे हैं। अब्बास अराघची के मुताबिक यह काम मुश्किल है, लेकिन नामुमकिन नहीं। उन्होंने यह भी साफ किया कि अगर अमेरिका ईरान पर लगे आर्थिक प्रतिबंध हटाने को तैयार हो, तो समझौता संभव है। अराघची ने कहा कि ट्रंप का श्ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होनेश का रुख सही है और ईरान भी इससे सहमत है, लेकिन बदले में उसे प्रतिबंधों से राहत चाहिए। इसी बीच अमेरिका ने क्षेत्र में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा दी है। ईरान के पास यूएसएस अब्राहम लिंकन की अगुवाई में बड़े स्तर पर नौसैनिक बेड़ा तैनात किया गया है।

जोहरान ममदानी का न्यूयॉर्क में विरोध, एपस्टीन विवाद से जुड़ा है मां मीरा नायर का नामय जानिए मामला

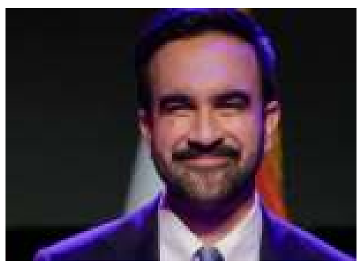

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी को ग्रेसी मैंशन के बाहर कुछ लोगों के विरोध और नारेबाजी का सामना करना पड़ा। यह घटना अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा जेफ्री एपस्टीन से जुड़े नए दस्तावेज सार्वजनिक किए जाने के बाद सामने आई, जिनमें उनकी मां और मशहूर फिल्ममेकर मीरा नायर का नाम एक ईमेल में दर्ज है। मेयर के आधि ाकारिक आवास ग्रेस मैंशन के बाहर जुटे लोगों ने आरोप लगाया कि उन्होंने ममदानी का समर्थन किया था, लेकिन अब उन्हें धोखा महसूस हो रहा है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हमने आपके लिए वोट किया, आपके लिए आवाज उठाई३ लेकिन आपने हमसे झूठ बोला। यह विवाद 21 अक्तूबर 2009 की एक ईमेल से जुड़ा है, जो अमेरिकी पब्लिसिस्ट पेगी सीगल द्वारा भेजी गई थी। ईमेल में दोषी यौन तस्कर घिसलेन मैक्सवेल के टाउनहाउस में आयोजित एक फिल्म स्क्रीनिंग के बाद हुए आफ्टर पार्टी का जिक्र है। ईमेल के मुताबिक, उस कार्यक्रम में बिल क्लिंटन, जेफ बेजोस, जीन पिगोजी और निर्देशक मीरा नायर सहित कई हाई–प्रोफाइल लोग मौजूद थे। ईमेल में फिल्म का नाम नहीं दिया गया, लेकिन संदर्भ 2009 में रिलीज मीरा नायर की फिल्म अमेलिया से जोड़ा जा रहा है, जिसमें हिलेरी स्वैंक और रिचर्ड गेरे ने अभिनय किया था। बीते शुक्रवार को अमेरिकी न्याय विभाग ने एपस्टीन से जुड़े रिकॉर्ड्स का एक बड़ा नया सेट सार्वजनिक किया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राम चन्द्र राठौर द्वारा ऑफसेट, स्पेक्ट्रा विजन मीडिया प्रा. लि. 89/211 राम गोपाल विद्यान्त रोड, लखनऊ से मुद्रित कराकर 541एन/91 आर, रिफा कालोनी कैम्पवेल रोड, लखनऊ से प्रकाशित
क्षेत्रीय कार्यालय : एस.आर. काम्पलेक्स कोठारी बन्धु चौराहा, राजाजीपुरम लखनऊ। समूह सम्पादक : आर.सी. राठौर, मो. 8840662911, प्रबन्धक सम्पादक : मोहित कुमार वर्मा,
ब्यूरो चीफ : हरि शंकर मिश्रा, अपराध संवाददाता : सन्तोष सिंह, छायाकार : सोनू खान, कानून सलाहकार : राज कुमार राठौर (न्यायिक क्षेत्र लखनऊ) ई-मेल : awazelucknow2009@gmail.com